जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

अजमेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

अजमेर, शुक्रवार 28 मार्च, 2025

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव

विकास एवं सुशासन उत्सव

लगभग 10 हजार करोड़ रुपए के कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण

मुख्य अतिथि

श्री भजनलाल शर्मा

माननीय मुख्यमंत्री

28 मार्च, 2025 | चित्रकूट धाम स्टेडियम, भीलवाड़ा | अपराह्न 12:00 बजे

शुभारंभ / विमोचन

• राजस्थान पत्रकार स्वास्थ्य योजना का शुभारम्भ • सभी जिलों की पंच गौरव पुस्तिका का विमोचन • ई-उपचार एप का लांच

योजनाओं के दिशा निर्देश/आदेश

- स्थानीय निकायों का सशक्तिकरण
- फायर एन.ओ.सी. प्रक्रिया का सरलीकरण
- रजिस्ट्री अब सप्ताह में 2 दिन प्रातः 8 से रात्रि 8 बजे तक
- हरित अरावली विकास परियोजना
- नये जिलों में डी.एम.एफ.टी. गठन
- राशन दुकानों में अन्नपूर्णा भण्डार

राजस्थान संवाद

विकसित राजस्थान - समृद्ध राजस्थान

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

विचार बिन्दु

दूसरों पर शक करना कभी-कभी गुनाह हो जाता है। –कुरान

क्या सिद्धारमैया सरकार का ठेकों में मुस्लिमों को 4% आरक्षण देने का कोई औचित्य है?

सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने दिनांक 14.03.2025 को केबीनेट की मीटिंग में कर्नाटक ट्रान्सपेरेंसी इन पब्लिक प्रोक्योरमेन्ट एक्ट में संशोधन का प्रस्ताव रखा, जिसे मंजूर किया गया। इसे विधानसभा में पेश किया जावेगा। इससे पूर्व सरकार ने बजट सत्र के समय घोषणा की थी कि सार्वजनिक कार्यों के ठेकों में 4% आरक्षण मुस्लिम समुदाय को दिया जावेगा और यह आरक्षण श्रेणी II बी के अन्तर्गत आयेगा। यह भी स्पष्ट किया गया कि यह व्यवस्था सरकारी विभागों, निगमों और संस्थानों द्वारा वस्तुओं व सेवाओं की खरीद पर लागू होगी। एसटी, एससी और ओबीसी को इसमें पहले से आरक्षण है। जो श्रेणी I, श्रेणी II ए में है। अब इसमें श्रेणी II बी को जोडा जायेगा, जिसमें मुस्लिम समुदाय है। आरक्षित वर्ग के ऐसे ठेकेदार 2 करोड़ तक के ठेके के अधिकारी (पात्र) होंगे। इस प्रकार कर्नाटक में सरकारी टेन्डर व ठेकों में मुस्लिमों को 4% कोटा देने की तैयारी करली है। यह कहा गया है कि 4% आरक्षण ओबीसी केटेगरी में होगा, किन्तु ये 4% मुस्लिम ओबीसी केटेगरी के मापदण्डों की पूर्ति नहीं करते।

भाजपा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भारतीय राज्य के विरूद्ध खुला युद्ध छेडने की साजिश रचने का आरोप लगाते हुये कहा कि कांग्रेस नेता ने कथित संवैधानिक सिद्धान्तों पर साम्प्रदायिक तुष्टिकरण को प्राथमिकता देने वाली नीतियों को बढ्ढावा दिया है। भारतीय जनता पार्टी ने 17 मार्च 2025 को सरकारी ठेकों में मुस्लिम ठेकेदारों के लिये 4 प्रतिशत आरक्षण के कर्नाटक सरकार के प्रस्ताव का असंवैधानिक कदम कहा है और इसे न्यायालय में चुनौती देने की घोषणा की है। दिनांक 24.03.2024 को संसद में भी भाजपा ने आरक्षण का विरोध करते हुये, उसे असंवैधानिक बतलाया।

आरक्षण के प्रावधान संवैधानिक के भाग 16 में पढ्ढने को मिलते हैं। कुछ वर्गों के सम्बन्ध में अनुच्छेद 330, 331, 332, में आरक्षण व विशेष प्रतिनिधित्व का उल्लेख है। अनुसूचित जातियों व अनुसूचित जनजातियों के आरक्षण का उल्लेख हमें भाग 16 में मिलेगा। अनुच्छेद 334 में लोकसभा व राज्यों की विधानसभाओं के लिये एसटी व एससी के आरक्षण के प्रावधान है। पिछड़ों के आरक्षण का प्रावधान भी आप इसी भाग में पढ्ढ सकते हैं। संवैधानिक संशोधन से अनुच्छेद 342ए जोड़ा गया है। यह प्रावधान सामाजिक और शैक्षिक दृष्टि से पिछड़े वर्ग के लिये है।

केरल, बिहार, तामिलनाडु, आन्ध्रप्रदेश, पश्चिम बंगाल व उत्तरप्रदेश में मुस्लिमों के लिये आरक्षण का विशेष प्रावधान है। मुसलमानों को अल्पसंख्यक होने के नाते आरक्षण है। जबकि अल्पसंख्यकों में मुस्लिमों के अतिरिक्त जैन, सिख, ईसाई और अन्य समुदाय भी हैं। आर्थिक आधार पर तथा प्रोमोशन में भी आरक्षण दिया गया है। अब तो यह कहा जा रहा है कि रेल के टिकिटों पर भी आरक्षण की मांग होगी।

संविधान में अल्पसंख्यक शब्द का प्रयोग अनुच्छेद 29 व अनुच्छेद 30 में मिलता है। अल्पसंख्यक शब्द को संविधान में परिभाषित नहीं किया गया है। साधारण रूप से हम कह सकते हैं बहुसंख्यक के विपरीत जो संख्या में कम हैं वे अल्पसंख्यक हैं। देश के कुछ लोगों के समूह की यदि कोई विशिष्ट भाषा, लिपि, संस्कृति है तो उसके अनुसार उन्हें आरक्षण का अधिकार प्राप्त है। इसी प्रकार धर्म व भाषा के आधार पर अल्पसंख्यकों को अपनी शिक्षण संस्थाओं को संचालित करने का अधिकार भी है। सरकार उनके कार्यों में कोई दखल भी नहीं देगी। धर्म के आधार पर आरक्षण का कोई प्रावधान संविधान में नहीं है। भारतीय संविधान की संरचना अद्‌भुत है। अनुच्छेद 14 में Right to Equality यानी समता का अधिकार दिया और अनुच्छेद 15 में घोषणा की कि धर्म, मूलवंश जाति, लिंग का जन स्थान के आधार पर भेदभाव नहीं करेगा। साथ ही यह भी निर्देश दे दिया कि राज्य सामाजिक और शैक्षिक दृष्टि से पिछडे हुये नारगिकों की उन्नति के लिये या अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों के लिये व्यवस्था करने से अन्य कोई बात होने पर उपबन्ध करने से निवारित नहीं करेगा।

अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा के हेतु राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम, 1992 लाया गया था। इस अधिनियम की धारा 2(सी) में अल्पसंख्यक की परिभाषा है, उसके अनुसार अल्पसंख्यक वह है जिसे केन्द्र सरकार राजपत्र में विज्ञप्ति प्रकाशित कर करेगी। अधिनियम, 1992 की धारा 2(सी) इस प्रकार है:-

(c) Minority for the purposes of this Act, means a community notified as such by the Central Government.

भारत सरकार ने राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग का गठन राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम 1992 के तहत् किया और प्रारम्भ में केन्द्र सरकार ने पांच धार्मिक समुदायों अर्थात् मुस्लिम, ईसाई, सिख, बौद्ध और पारसी को अल्पसंख्यक समुदाय के रूप में अनुसूचित किया गया; किन्तु काफी समय बाद जैनों को अल्पसंख्यक के रूप में अनुसूचित किया गया। राज्य स्तर पर भी अल्पसंख्यक आयोग का गठन किया गया। राजस्थान व अन्य राज्यों में राज्य अल्पसंख्यक आयोग ने संविधान के अनुच्छेद 29/30 के अन्तर्गत जैनों को अल्पसंख्यक का दर्जा दिया गया।

वस्तुतः 4% मुसलमानों का सरकारी अनुबंधों में आरक्षण, इन्द्रा साहनी के केस से भिन्न है। मूल प्रश्न है, अल्पसंख्यक कौन है? अल्पसंख्यक की परिभाषा जो राष्ट्रीय अल्पसंख्यक अधिनियम, 1992 की धारा 2(सी) में है, वह तो प्रत्यक्षतः ही निरंकुश है, विवेकशून्य है और साथ ही हास्यास्पद भी। जब अल्पसंख्यक की परिभाषा ही अवैध है तो फिर अधिनियम 1992 स्वयं ही अर्थ शून्य हो जायेगा।

केन्द्र सरकार ने प्रथम नेशनल कमीशन फॉर माइनोरिटी का गठन आदेश दिनांक 12.1.1978 को किया था। इस कमीशन को मान्यता देने हेतु ही अधिनियम 1992 लाया गया था।

जैसा ऊपर यह स्पष्ट लिखा गया है कि राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम, 1992 में किसी कॉम्यूनिटी को अल्पसंख्यक घोषित करने का अधिकार केवल केन्द्र सरकासर को था। अब राज्य सरकार को यह अधिकार प्राप्त है। अधिनियम 1992 की धारा 2(सी) में अल्पसंख्यक की परिभाषा में यह कहा गया है कि जिसे केन्द्र सरकार राजपत्र में विज्ञप्ति प्रकाशित कर करे वह अल्पसंख्यक है। केन्द्र सरकार ने निरंकुश होकर, बिना किसी वर्गीकरण के उक्त परिभाषा दी है। कानून की दृष्टि से यह अनुच्छेद 14 के अनुसार अवैध है, चूंकि अमर्यादित है निरंकुश है। फिर 4% आरक्षण ओबीसी केटेगरी में देने का तो कोई औचित्य ही नहीं है।

साधारण भाषा में अल्पसंख्यक का अभिप्राय है मेजोरिटी के विपरीत, बडे ग्रुप से छोटा ग्रुप। माइनोरिटी के तीन रूप हैं, राजनीतिक, धार्मिक व भाषाई माइनोरिटी। इनमें से धार्मिक व भाषाई अल्पसंख्यक के बाबत उल्लेख संविधान के अनुच्छेद 29 में मिलता है, किन्तु राजनीतिक अल्पसंख्यक को संविधान में कोई स्थान नहीं दिया गया है। टीएमए पाई फाउण्डेशन के केस का निर्णय बडी पीठ का निर्णय है। इस केस में यह स्पष्ट निर्णय है, चूंकि कि देश का पुनर्गठन भाषा के आधार पर है अतः राज्यों में अल्पसंख्यकों का निर्णय भी उसी प्रकार होना चाहिये। टीएमए पाई फाउण्डेशन के केस में यह स्पष्ट किया है कि चूंकि पूर्व से राज्यों में ईसाई मेजोरिटी में है अतः हिन्दू वहां अल्पसंख्यक है। जम्मू कश्मीर में मुस्लिम बहुमत में है अतः हिन्दू अल्पसंख्यक है। अल्पसंख्यक से अभिप्राय है धार्मिक अल्पसंख्यक है। जैनों को अल्पसंख्यक इसलिये माना कि जैन धर्म वैदिक धर्म से पूर्व का है। जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव हैं। ऋषभदेव का उल्लेख वेदों में मिलता है, अतः यह कहना गलत है कि जैन धर्म हिन्दू धर्म का भाग है। उक्त निर्णय के अनुसार केन्द्रीय सरकार को अल्पसंख्यकों की घोषणा का अधिकार नहीं है, यह विषय राज्य सरकार का है।

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम 1992 न तो केन्द्र की लिस्ट-1 में और न राज्य लिस्ट के विषयों के तहत् ही आते हैं। टीएमए पाई के केस 2002 (2) एससीसी 481 में जो विवेचन सुप्रीम कोर्ट ने किया है उसके बाबत संसद को शिक्षा के बाबत कानून बनाने का अधिकार है। जबकि अधिनियम 1992 उन अल्पसंख्यकों के हेतु है जिन्हें केन्द्रीय सरकार अल्पसंख्यक घोषित करेगी और अनुच्छेद 29/30 धार्मिक व भाषायी अल्पसंख्यकों को अपने शिक्षण संस्थानों को संचालित करने का मूल अधिकार देता है और टीएमए पाई का निर्णय निर्देश देता है कि ऐसे शिक्षण संस्थानों के मामले में केन्द्र कोई दखल नहीं देगी। अतः यह कहा जा सकता है कि राष्ट्रीय अल्पसंख्यक अधिनियम, 1992 अवैध है और साथ ही अल्पसंख्यक की परिभाषा अविवेकपूर्ण है, निरंकुश है और अधिकार शून्य होने से अवैध है। इस अधिनियम 1992 की वैधानिकता को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जा चुकी है।

उपरोक्त विवेचन से हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि कर्नाटक सरकार ने सरकारी ठेकों में मुलसलमानों को जो 4% कोटा (आरक्षण) दिया है वह अवैध है। इन्द्रा साहनी के केस में जो आरक्षण के सम्बन्ध में एक अकाटय नजीर है, उसके अनुसार भी यह आरक्षण असंवैधानिक है। उक्त नजीर में जो सिद्धान्त प्रतिपादित किये हैं, उसके अनुसार आरक्षण पिछडेपन (सामाजिक उत्पीडन) के आधार पर है। यह माना गया है कि हिन्दू व गैर हिन्दू की गणना के अनुसार हिन्दू 50% से अधिक हैं और दूसरा सिद्धान्त उक्त केस में यह निर्धारित किया है कि गैर हिन्दू आरक्षण 50% से अधिक नहीं हो सकता। वस्तुतः 4% मुसलमानों का सरकारी अनुबंधों में आरक्षण, इन्द्रा साहनी के केस से भिन्न है। मूल प्रश्न है, अल्पसंख्यक कौन है? अल्पसंख्यक की परिभाषा जो राष्ट्रीय अल्पसंख्यक अधिनियम, 1992 की धारा 2(सी) में है, वह तो प्रत्यक्षतः ही निरंकुश है, विवेकशून्य है और साथ ही हास्यास्पद भी। जब अल्पसंख्यक की परिभाषा ही अवैध है तो फिर अधिनियम 1992 स्वंय ही अर्थ शून्य हो जायेगा। यह भी हमारी जानकारी में होना चाहिये कि इन्द्रा साहनी का केस समाज के पिछडों, एससी व एसटी के लोगों को समानता के स्तर पर लाने के हेतु था। किन्तु यह स्थिति उन लोगों की नहीं है, जिन्हें धारा 2(सी) की केटेगरी में अल्पसंख्यक के रूप में लिया है।

ऐसा प्रतीत होता है कि मत प्राप्त करने हेतु कुछ धर्म के लोगों को लुभाने हेतु यह कानून लाया गया है। फ्रीबीज का यह भी एक रूप है।

कर्नाटक सरकार का निर्णय कि वह सार्वजनिक कार्यों के ठेके में 4% आरक्षण मुस्लिमों को देंगे जबकि एसटी, एससी और ओबीसी को पहले ही से आरक्षण है। विभिन्न प्रकार के आरक्षण से जहां विकास होना चाहिये था वहां 75 वर्ष पूरे हो जाने के बाद किसी को भी क्रिमीलेयर में स्थान नहीं दिया जा रहा है और अनुच्छेद 334 के तहत् आज भी आरक्षण को समय सीमा को अप्रभावी नहीं माना जा रहा है, जो सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों के अनुसार सही नहीं है यह कृत्य धार्मिक भेदभाव व तुष्टिकरण का ही एक रूप है। अतः यह प्रावधान असंवैधानिक है।

सत्यमेव जयते!

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

राजस्थान स्थापना दिवस के सात दिवसीय कार्यक्रम सरकार के जनसरोकारों से जुड़ाव की पहल

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

गौरवशाली इतिहास और परंपराओं को सहेजे राजस्थान का स्थापना दिवस पहली बार अंग्रेजी तारीख के स्थान पर चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को मनाया जा रहा है। यह अवश्य संजोग ही माना जाएगा कि इस साल देशी और अंग्रेजी कलेण्डरों के हिसाब से 30 मार्च को ही राजस्थान दिवस आ रहा है। सबसे खास बात यह है कि पधारों म्हारे देस आंमत्रण के साथ राजस्थान दिवस का आयोजन महज औपचारिकता या आयोजन प्रयोजन तक सीमित ना रहकर एक विस्तृत सोच और चिंतन का परिणाम है और यही कारण है कि राजस्थान दिवस के कार्यक्रमों की रुपरेखा इस तरह से तैयार की गई है जिससे केवल एक दिन की औपचारिकता ना रहकर सात दिन तक प्रदेश के अलग अलग हिस्सों में राज्य स्तरीय कार्यक्रम हो और आम जन से जुड़ें कार्य, योजनाएं और सीधे संबंधित लोगों से संवाद कायम हो सके।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के दूरगामी सोच का ही परिणाम है कि राजस्थान दिवस एक दिन का औपचारिक आयोजन ना होकर सात दिन तक के आयोजन एक विस्तृत जनहित से जुड़ें कार्यक्रमों के साथ हो रहे हैं। 25 मार्च को बाड़मेर में राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन के आयोजन के साथ आरंभ हुए इन कार्यक्रमों की कड़ी में पहले दिन ही एक क्लिक के साथ ही लाभार्थी महिलाओं क खातों में 375 करोड़ रु. की राशि का हस्तांतरण हो गया। महिलाओं से जुड़े 7 विभागों की 11 योजनाओं का क्रियान्वयन इस तरह से एक क्लिक में होने और बाड़मेर में कार्यक्रम के आयोजन से एक संदेश गया है। 26 मार्च को बीकानेर में राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन आयोजित कर 30 हजार किसानों तक 137 करोड रु. के अनुदान स्वीकृति के साथ ही किसानों और पशुपालकों से जुड़ी योजनाओं का लाभ पहुंचाने और सीधा संवाद कायम करने की बड़ी पहल की गई है। राजस्थान स्थापना के अवसर पर आयोजित सात दिवसीय कार्यक्रमों की कडी में 27 मार्च को भरतपुर में अन्त्योदय कल्याण योजनाओं से जुड़े कार्यक्रम और 28 मार्च को भीलवाड़ा में विकास और सुशासन दिवस के रुप में आयोजन किया जाना है। इसी तरह से 29 मार्च को कोटा में व 30 मार्च व 31 मार्च को जयपुर में आयोजन होंगे। इस दौरान अनेक योजनाओं का लाभ लक्ष्यित वर्ग तक पहुंचाने के साथ ही नई नीतियां भी लाने का कार्यक्रम इस आयोजन को और अधिक उपादेय बनाएगा। यह साफ हो जाता है। इसी कड़ी में 31 मार्च को राइजिंग राजस्थान के करीब 3 लाख करोड़ की परियोजनाओं की ग्राउण्ड ब्रेकिंग लॉजिस्टिक डेटा सेंटर और टैक्सटाइल पालिसी की घोषणा महत्वपूर्ण कार्य होंगे। दरअसल दिवस के आयोजन आयोजन प्रयोजनों के साथ महज औपचारिकता बन के रह जाना आम है। पर जिस तरह से इस बार कार्यक्रमों को इस तरह से अमली जामा पहनाया जा रहा है जिससे सीधे प्रदेशवासियों को लाभ प्राप्त हो सकेगा और सबसे खास यह कि राजस्थान स्थापना दिवस केवल राजधानी तक सीमित नहीं रहकर प्रदेश के हर कोने में होने से इसका एक अलग ही संदेश जाएगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की एक सोच इन आयोजनों के पीछे साफ दृष्टिगोचर होती है कि आयोजन सौद्‌देश्यपूर्ण और जनहित के हो। यही कारण है कि सात दिन तक आयोजन, दिन विशेष को वर्ग विशेष यथा महिला, किसान, युवा, निवेशक आदि आदि से जोड़कर आयोजनों से दिन विशेष को लक्ष्यित लाभार्थियों को लाभ का हस्तांतरण भी आसानी से संभव हो पाता है। कार्यक्रम के बहाने दिनों में होने वाले कार्य दिन विशेष को ही हो जाता है और यही प्रशासन की सफलता होती है।

दरअसल राजस्थान दिवस कार्यक्रम सात दिवस तक आयोजनों के पीछे मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा की संवेदनशील, लोकहितकारी और दूरगामी सोच का परिणाम है। इससे निश्चित रुप से समूचे प्रदेश को लाभ होगा और नहीं भूलना चाहिये प्रक्रिया में चल रहे कार्य चंद समय में पूरे हो जाएंगे और आमजन में एक स्पष्ट संदेश जाएगा कि सरकार आमजन के हितों के प्रति पूरी तरह से गंभीर है। एक दूसरी बात जब आयोजन आमजन के बीच होते हैं तो भले ही फीड बेक के रुप में ही हो पर सरकार को कई नई जानकारियां और जनहित से जुड़े बिन्दुओं की जानकारी मिलती है जो समय आने पर सरकार की योजनाओं के निर्माण और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में उपयोगी सिद्ध हो जाती है। राजस्थान सरकार का राजस्थान दिवस के सात दिन के कार्यक्रमों के माध्यम से सीधे संवाद का परिणाम सकारात्मक ही जाएगा।

–डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा,
(वरिष्ठ लेखक)

सभी सरकारों द्वारा किसानों के साथ इतना संगदिल व्यवहार क्यों?

महावीर सिंह

पाठकों की स्मृति में होगा कि 09 अगस्त 2020 में एक बड़ा किसान आन्दोलन प्रारम्भ हुआ था। तात्कालिक कारण था तीन ऐसे अध्यादेश लाना जिन्हें कालांतर में कृषि के तीन काले कानून के रूप में जाना गया। उसी आंदोलन की निरंतरता में अपनी मांगों को लेकर पंजाब-हरयाणा के किसान खनोरी व शम्भू बॉर्डर पर लगातार धरने पर बैठे थे। मुख्य मांग है कि के लिए कानून बनाए की उस से नीचे किसान का माल नहीं बिकेगा। अन्य मांगे भी थी किन्तु वाली मांग मुख्य थी। इन आंदोलनकारियों को भी अभी हाल ही में बड़ी बेरहमी से वहां से हटाया है। सही है किसान सरकार की ताकत के सामने धरना प्रदर्शन जारी नहीं रख सकते थे। पर प्रश्न तो यह है कि यदि यही करना था तो बैठने ही क्यों दिया? क्या यातायात सुचारू रहे इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की जा सकती थी?

चलिए 2020-21 में लौटते है। अभी तक कोई स्पष्ठ रूप से नहीं बता पाया कि आखिर बिना हित धारकों से व्यापक चर्चा किये, बिना लोकसभा में विस्तार से चर्चा कराए, आनन-फानन में यह कानून किन सलाहकारों की सलाह पर लाए गए। आखिर में, 700 किसानों की शहादत के बाद, 19 नवम्बर 2021को, इन कानूनों को वापस लेने की घोषणा स्वयं प्रधान मंत्री जी को करनी पड़ी। कितना अच्छा होता यदि बिना इतने किसानों की शहादत के ही प्रधान मंत्रीजी, अन्फॉलन की शुरुआत में ही ऐसा कर लेते। यधपि जानकारों का मानना है कि कानून के अध्यादेश लाने के कारणों का तो पता नही किन्तु कानून वापस लेने का तात्कालिक कारण उत्तरप्रदेश विधान सभा चुनाव थे। ऐसा सामान्यतः सभी मानते हैं। भाजपा उत्तरप्रदेश चुनाव पहले की तुलना में कम सीटों के साथ चुनाव जीत गई। चुनाव परिणाम आते ही, अति उत्साही भाजपा समर्थकों नें कह दिया कि यह सरकार द्वारा किसान हित में लाए गए तीन कृषि कानूनों के प्रति समर्थन है अर्थात कानून किसानों के हित में थे। नोटबन्दी को भी चुनाव में सफलता के साथ ही जोड़ कर उसे उचित बताया था। नोटबन्दी के घोषित लक्ष्य, शायद ही प्राप्त हुए । कृषि कानूनों को तो स्वय सरकार नें ही वापस लिए। नोटबन्दी व कृषि कानूनों के बाद के चुनाव केवल इन्ही मुद्दों पर, हितधारकों यथा गरीब, गुरब्बे, छोटे व्यापारियों-उत्पादनकर्ताओं अथवा किसान मतदाताओं के बीच का ही जनमत संग्रह नहीं था। चुनाव में अनेक अन्य मद्दे व अन्य सभी वर्गों के मतदाता भी होते हैं। यथा मंहगाई, बेरोजगारी, शांतिव्यवस्था, जात-बिरादरी, कंडीडेट की व्यक्तिगत छवि व अन्य कई मुद्दे।

इसलिए चुनाव सफलता को केवल व केवल नोटबन्दी या किसानों हितों के साथ जोड़ना न्याय संगत नहीं। कोई सामान्य नागरिक आज तक यह तो स्वीकार करता नहीं कि यह दोनों कदम देश व जन हित में अत्यंत सुविचारित कदम थे। इसके विपरीत करोड़ों न करोड़ों देशवासियों नें इनसे हुआ कष्ट झेला है।

चलिए इन सब बातों हटे और किसान आंदोलन की बात करें। प्रधान मंत्री जी द्वारा तीन कृषि कानूनों को यह कहते हुए वापस लिया कि किसानों को इन कानूनों के दूरगामी लाभदायक प्रभावों से संतुष्ट नहीं कर पाए। इसके साथ ही किसान आंदोलनकारियों की सहित अन्य मांगों पर विचार करने व सुझाव देने के लिए एक कमेटी के गठन की घोषणा भी की थी।

पहले तो कमेटी का गठन ही 7 माह के न समझ में आने वाले विलम्ब के बाद हुआ। इस कमेटी में 18 सरकारी व 11 गैर सरकारी सदस्य नामित किए जाने थे। 11 गैर सरकारी सदस्यों में से मात्र तीन सदस्य आंदोलनकारी किसानों के संगठन संयुक्त किसान मोर्चे (SKM) द्वारा नामित किए जाने थे। गठन को लेकर, कमेटी के टर्म्स ऑफ रेफरेंस पर स्पष्टता के अभाव में एख्श ने कोई सदस्य इस कनेटी में नहीं भेजे। यह भी स्पस्ट नही कि क्या कमेटी को श्एइ की गारंटी के जनून का मसौदा बनाना भी था या नहीं??

चलिए एख्श ने कमेटी में सदस्य बनने के लिए नाम नहीं भेजे तो नहीं भेजे किन्तु कमेटी नें भी 2 वर्ष, 8 माह व्यतीत हो जाने के उपरांत भी श्एइ पर कोई रिपोर्ट अभी तक नहीं सौंपी। इस मामले में तो "नो दिन चले अढ्ढाई कोस वाली" कहावत चरितार्थ हुई है।

इस से यह भी सामान्य निष्कर्ष निकलता है कि सरकार MSP की गारंटी से सम्बंधित कानून पर, मात्र, किसानों को उलझाए रखना चाहती है किंतु ऐसा क़ानून लाने का कोई इरादा लगता नही, कम से कम शीघ्र तो कतई नहीं।

चलिए अब विचार करे कि MSP की गारंटी के कानून के पक्ष-विपक्ष पर विभिन्न पक्षों के क्या विचार, तर्क हैं:- सरकार के सलाहकार समूह द्वारा उसके विपक्ष में दिया जाने वाले तर्क है कि--- किसानों की समर्थन मूल्य वसलि सारी गज़लों को खरीदने के लिए 25 लाख करोड़ से अधिक की राशि का बजट प्रावधान चाहिए। अगर ऐसा किया जाता है तो अन्य कार्यों व मुख्यतः विकास कार्यों के लिए बजट बचेगा ही नहीं। दूसरा तर्क है कि ऐसा करने से कृषि उत्पादों के लिए प्रतिस्पर्धात्मक खुले बाजार की अवधारणा समाप्त हो जाएगी। यह किसानों के लिए हानिकारक होगी। उपभोक्ताओं को बहुत मंहगे कृषि उत्पाद खरीदने होंगे, मंहगाई से उपभोक्ता परेशान होंगे। किसानों की ओर से तर्क दिए जाते है कि मांग तो यह कि कृषि उत्पाद घोषित से नीचे नही बिके। बाजार स्वतः उसी ढंग से एडजस्ट होगा। किसान का कृषि उत्पाद लागत मूल्य से नीचे क्यों बिके? यदि कृषि उत्पाद मंहगे हो जाएंगे, उपभोक्ताओं पर महंगाई की मार पड़ेगी तो क्या किसान लागत से कम मूल्य पर उत्पाद बेच कर, स्वयं कर्जदार होकर, उपभोक्ताओं को सब्सिडाइज करे? यह काम ,चाहे तो, सरकार करे। क्या किसान उपभोक्ता नहीं? क्या किसान बाजार से हर तरह का आवश्यक समान नहीं खरीदता, तो क्या उसे उपयुक्त दामों पर माल मिले, यह चिंता तो कभी कोई क्यों व्यक्त नहीं करता? रही बात 25 लाख करोड़ या ऊपर कोई आंकड़ा हो, इतना बजट क्यों चाहिए, क्या सारा अनाज सरकार को खरीदना है? क्या बाजार के सारे कृषि उत्पाद व्यापारी अपनी दुकानों के ताला लगा देंगे?

किसानों की मांग है कि उनके कृषि उत्पादों का लागत मूल्य C2 डॉक्टर स्वामीनाथन द्वारा तय प्रक्रिया अपनाते हुए तय किया जाए। उन्ही द्वारा अनुशंसित 50% लाभ जोड़ कर MSP का निर्धारण किया जाए अर्थात कृषि उत्पाद का न्यूनतम बेचान मूल्य C2+50% हो और उस से नीचे न बिके न कोई खरीदे, यह कानून बने। सरकार किसानों से सौहार्द्र पूर्ण माहौल में बात कर 50% पर कोई दूसरा उचित विकल्प (40/30/25% का) बता सकती है किंतु यह कैसे नकारा जा सकता है कि किसान को उसके उत्पादों का लाभकारी मूल्य मिले। ओर सरकार को कानून बनाने का अधिकार है तो से बदलने, समाप्त करने का अधिकार भी तो है। यदि 1,2 साल बाद अनुभव बताए कि ऐसा कानून किसानों के लिए फायदेमंद नहीं या सरकार के लिए उसकी पालन असम्भव लगे तो आवश्यक संशोधन कर ले। किसान क्या करें? किसानों ने कई बर्र कई लंबे-लंबे आंदोलन कर लिए किन्तु अधिकांशतः उनकी मांगों पर थोड़ी बहुत सुनवाई होती है। तात्कालिक रूप से कुछ छोटी मोटी बातें मान कर, मुख्य मुद्दों को कमेटियों के हवाले कर दिया जाता है। हश्र वैसा ही होता है जैसे ऊपर वर्णित 2022 में गठित कमेटी कर रही है।

किसान वर्ग को समझना होगा कि उनकी समस्याओं का समाधान विधान सभाओं व लोक सभा के माध्यम से ही होना है। वहां उनकी मांगे सहानुभूति पूर्वक समझने वाले, प्रस्तुत कर सकने वाले प्रतिनिधियों का अभाव है। इन संस्थाओं में अपना सक्षम प्रतिनिधित्व बढ़ाएं जो पार्टिलाइन्स से हट कर किसान मुद्दों पर एकजुटता दिखाएं। वोट की ताकत का इस्तेमाल, जाती-धर्म से उपर उठ कर, वर्गहित की पहचान कर उसकी पूर्ति के लिए करें। किसान गेंहू, चावल, गन्ना आदि की अत्याधिक पानी कीआवश्यकता वाली खेती से हटे और ज्यादा फायदे वाली दूसरी फसलों की तरफ मुड़ें। दुग्ध व दुग्ध उत्पादों, मुर्गी पालन, मछलीपालन व अन्य इसी प्रकार की आय बढ़ाने वाली गातिविधियों व व्यवसाय को अपनाएं।

इसके लिए सरकार को भी कुछ कदम उठाने होंगे। गेंहू चावल आदि फसलों से किसान हटेंगे तो किसानों को नई फसलों की पूरी जानकारी समझने, उसे फार्म लेवल पर उतारने में समय लगेगा। इस बदलाव से प्रारम्भ में किसानों को आय में हानि होगी। सरकार किसानों की घटने वाली संभवित आय की क्षतिपूर्ति करे। यह किया जा सकता है। सरकार के पास यह आंकड़े होते है कि कौन किसान कितने क्षेत्रफल में गेंहू आदि बो रहा है और कितना कितना रकबा प्रतिवर्ष कम कर रहा है। उत्पादकता, बोए क्षेत्रफल व MSP के आधार पर आय में सम्भावित कमी की गणना की जा सकती है। सरकार 5,7 साल के लिए क्षतिपूर्ति करे। वैकल्पिक खेती के लिए योजनाये बनाए और उसी उत्साह से लागू की जाएं जैसा कि प्रथम हरित क्रांति के लिए योजनाएँ लागू की गई थी।

सभी किसान संगठन मिल कर विधिवत एक फेडरेशन बनाएं। दिल्ली और अन्य स्थानो पर किसान हितों पर सतत शोध के लिए कार्यालय स्थापित करें। अभी विश्व में एक नए प्रकार का युद्ध प्रारम्भ हुआ है-टैरिफ वार। किसान वर्ग के हित इस से कैसे दुष्प्रभावित हो सकते हैं, इस पर जन जागरण किया जाए। सरकार को शोध किए तथ्यों-तर्कें के आधार पर समय समय पर ज्ञापन प्रस्तुत किए जाएं।

किसान फेडरेशन के इन कार्यालयों में विभिन्न फसलों-सब्जियों-फलों आदि के वैश्विक उत्पादन, देशवार उत्पादकता, संभवित भावों आदि आंकड़े एकत्रित किये जाएं, उनका विश्लेषण किया जाकर, लगातार किसानों को अवगत कराएं और राय देते रहे। इसी प्रकार के संगठन के माध्यम से समय समय पर किसानों-कृषि के मुद्दों, समस्याओं पर सरकार से सतत सम्पर्क व वार्ता करनी चाहिए जैसे विभिन्न औद्योगिक, व्यापारिक संगठन करते है। उनकी मांगे सटीक आंकड़ों, उचित सुझावों व निरन्तरता के साथ होती रहती है और सरकार मानती भी है।

किसान आंदोलन यदाकदा, महज संख्याबल प्रदर्शन नहीं बनें। उनकी ताकत आंकड़ों, सुझावों में झलकनी चाहिए। प्रदर्शन-धरने लगातार अल्पवधियों के लिए हो। लंबी अवधि के आंदोलनों से सामान्य जन को भी कठिनाईयां होती है और उनकी सहनुभूति किसानों से हट जाती है। इसी आधार पर सरकारें ऐसे आंदोलनों पर संचार माध्यमों के जरिये जन विरोधी का लेबल चस्पा लगवा देती हैं।

विभिन्न राजनीतिक दलों का MSP पर स्टैंड:-दोनों बड़े राजनीतिक दल MSP का गारंटी सम्बन्धी कानून बनाने की बात करते आए है किंतु व्यवहार में जब भी वे सत्ता में रहे है, ऐसा नहीं किया। स्वामीनाथन आयोग का गठन UPA 1 के शासनकाल में हुआ। UPA शासनकाल में ही आयोग की रिपोर्ट आ गई थी। कांग्रेस नें आयोग की बहुत सिफारिशों का क्रियान्वयन किया किन्तु C2+50% के अनुसार न MSP दी और न किसानों की मांग के अनुसार कानून ही बनाया। भाजपा का भी वैसा ही हाल है। जबानी जमाखर्च के अनुसार किसानों की आय को दोगुना करने का निरअर्थक बाजा बजाते रहते है। अन्य बातें यथा MSP पर ज्यादा उत्पाद खरीदें है, पहले की तुलना न में अधिक MSP दी है, बोलते रहते है किंतु MSP से नीचे खरीदी पर प्रतिबंध का कानून पर कुछ नहीं बोलते हैं। यह स्थिति तब है जब 1989 के बाद के सर्वशक्तिशाली प्रधान मंत्री नें, गुजरात के CM रहते हुए इस प्रकार के कानून की पुरजोर वकालत करते हुए तत्कालीन प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह जी को पत्र लिख चुके है। लेखक की राय है कि तत्समय वर्तमानं PM नें अपने सर्वोत्तम सलाहकारों से राय मशविरा करके ही पत्र लिखा होगा तो अब क्या दिक्कत आ रही है?

–महावीर सिंह, पूर्व आईएएस

राशिफल शुक्रवार 28 मार्च, 2025

पंडित अनिल शर्मा

चैत्र मास, कृष्ण पक्ष, चतुरदशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2081, पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र रात्रि 10:09 तक, शुक्ल योग रात्रि 2:07 तक, विष्टि करण प्रातः 9:30 तक, चन्द्रमा आज सायं 4:48 से मीन राशि में संचार करेगा। **ग्रह स्थितिः** सूर्य-मीन, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-मिथुन, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज भद्रा प्रातः 9:30 तक है। शुक्र बाल्यत्व रात्रि 9:15 पर समाप्त होगा। आज पंचक है। महापात योग दिन 1:05 से रात्रि 4:32 तक है। आज जुमातुलविदा और शबे कदर (मु.) है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:58 तक, लाभ-अमृत 7:58 से 11:01 तक, शुभ 12:32 से 2:04 तक, चर 5:06 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:26, सूर्यास्त 6:38

मेष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

सिंह
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

धनु
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। चलते कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
स्वास्थ्य में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

मकर
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को आतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

तुला
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिल सकती है। व्यावसायिक मामलों में उचित परार्शम मिल सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियों के कारण मानसिक तनाव बना रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी।

वृश्चिक
परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मीन
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज मन में असंतोष बना रहेगा। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 29 संख्याः 236 प्रभात अजमेर, शुक्रवार 28 मार्च, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

'ममता बनर्जी, बाँग्लादेश व म्याँमार के घुसपैठियों को मदद कर रही हैं, भारत में प्रवेश के लिए'

संसद में फॉरेनर्स विधेयक पर बोलते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, अपना वोट बैंक बढ़ाने के लिए ममता बनर्जी, देश की सुरक्षा से खिलवाड़ कर रही हैं

-अंजय रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 मार्च। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वही दोहराया है, जो जगजाहिर है।

विदेशियों से संबंधित विधेयक पर अपने जवाब में उन्होंने शिकायत की है कि बंगाल सरकार ने बाँग्लादेश से आये घुसपैठियों तथा म्याँमार से आये रोहिंग्याओं को पहचान पत्र प्रदान कर दिये हैं। पहचान पत्र के साथ अवैध रूप से आये ये लोग पूरे देश में फैलते जा रहे हैं। बंगाल सरकार का व्यवहार पूरे देश की सुरक्षा को खतरे में डाल रहा है तथा आम जनता की सुरक्षा के मामले में समझौता कर रहा है। शाह ने कहा कि यह विदेशी विधेयक (फॉरेनर्स बिल) लागू होने के बाद, देश में प्रवेश करने वाले विदेशियों की कई स्तरों पर मॉनिटरिंग का तंत्र उपलब्ध करायेगा। यह विधेयक सुरक्षा-संबंधी प्रयोजनों के लिए आवश्यक खुफिया तंत्र भी उपलब्ध करायेगा।

अमित शाह ने वही बात कही है, जो हमेशा से ज्ञात रही है। बंगाल सरकार राज्य में अपना वोट बैंक बढ़ाने के लिए बाँग्लादेशियों और रोहिंग्याओं के अवैध प्रवेश को प्रोत्साहित कर रही है। त्वरित लाभ के लिए यह जो किया जा रहा है, राष्ट्र-हित के साथ घृणित समझौता है।

शाह ने कहा कि बंगाल सरकार ने सीमा पर बाड़ के लिए जमीन आवंटित नहीं की है। जहाँ भी बॉर्डर फैन्सिंग का काम चल रहा था, वहाँ तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों ने विरोध किया था और काम रूकवा दिया था। इसका नतीजा यह हुआ कि आज भारत-बाँग्लादेश सरहद पर कहीं से भी घुसपैठ संभव है।

लोग दण्ड भय मुक्त होकर बंगाल में आ रहे हैं तथा सीमा से लगे इस राज्य की जनसांख्यिकीय प्रकृति (डैमोग्रफिक नेचर) बदल रही है। इससे स्थानीय बंगालियों के हितों को नुकसान पहुँच रहा है, क्योंकि घुसपैठिये, राज्य सरकार तथा तृणमूल कांग्रेस के गुन्डों की मदद से, यहाँ रहने वाले बंगालियों की जमीन छीनकर अवैध रूप से आने वाले घुसपैठियों को बसाने में उनकी मदद कर रहे हैं।

अवैध घुसपैठियों से अपना वोट बैंक बनाने और बढ़ाने की यही रणनीति राज्य की कम्यूनिस्ट सरकारों ने अपनायी थी। वामपंथी मोर्चे के 34 साल के शासनकाल में, कम्यूनिस्टों ने अवैध घुसपैठ को बढ़ावा दिया था।

विडम्बना देखिये, इन्हीं ममता बनर्जी, जब वे विपक्षी नेता थीं, ने अवैध घुसपैठियों को चुपचाप आने देने की वामपंथी मोर्चे की चाल का जोरदार विरोध किया था। उन्होंने उस समय बंगाल में हो रहे अवैध प्रवेश का संसद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- शाह के अनुसार, ममता बनर्जी इन घुसपैठियों को अस्थाई रुप से रहने व छुपने के लिये स्थान देती हैं तथा फिर आइडैंटिटी कार्ड (आधार कार्ड) मुहैया कराकर देश भर में फैलने का मौका देती हैं।
- ''यह वोट बैंक बढ़ाने की रीति-नीति चौंतीस साल, वामपंथी सरकार ने भी चलाई थी तथा एक विपक्ष की नेता के रूप में ममता बनर्जी संसद में जमकर विरोध करने में सबसे आगे रहती थीं, पर, अब सत्ता में आने के बाद ममता बनर्जी स्वयं उस रीति-नीति का अनुसरण कर रही हैं।''
- शाह ने इसी संदर्भ में संसद में यह भी कहा कि ममता बनर्जी की सरकार, सीमा पर फैन्सिंग कराने में भी पूरी बाधाएं खड़ी करती हैं। पहले तो फैन्सिंग के लिए भूमि नहीं दी जाती, अगर किसी तरह फैन्सिंग का काम शुरु भी हो तो तृणमूल के बाहुबली, भारी विरोध करते हैं और फैन्सिंग का काम रोकना पड़ता है।

रीट पेपर लीक की जाँच सीबीआई को नहीं दी जाएगी

जयपुर, 27 मार्च। राजस्थान हाईकोर्ट ने तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती के लिए आयोजित रीट-2021 परीक्षा के पेपर लीक मामले की जांच सीबीआई को सौंपने से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में दायर याचिकाओं को निस्तारित कर दिया है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस प्रमिल कुमार माथुर की खंडपीठ ने यह आदेश अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की जनहित याचिका सहित अन्य याचिकाओं को निस्तारित करते हुए ये आदेश दिए।

याचिकाओं में कहा गया था कि परीक्षा में बड़े पैमाने पर धांधली हुई है। एसओजी ने पेपर लीक की बात मानते हुए कई आरोपियों को गिरफ्तार भी किया है। पेपर लीक में बड़े लोगों का हाथ होने की आशंका है। ऐसे में मामले की जांच सीबीआई से कराई जाए। जिसके जवाब में राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता विज्ञान शाह ने अदालत को बताया कि उक्त परीक्षा को रद्द कर दोबारा परीक्षा करवाई जा चुकी है, वहीं एसओजी ने भी मामले में जांच की है। ऐसे में याचिकाओं को निस्तारित किया जाए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- राजस्थान हाई कोर्ट ने रीट पेपर लीक की जाँच सीबीआई से करवाने की मांग करने वाली एबीवीपी व अन्य की याचिका खारिज करते हुए यह आदेश दिया।

पद्मेश मिश्रा की ए.ए.जी. पद पर नियुक्ति के विरुद्ध अपील दायर

हाई कोर्ट ने सुनवाई के दौरान न्यायाधीश इन्द्रजीत सिंह और न्यायाधीश प्रमिल कुमार माथुर ने इस मामले की अगली तारीख 4 अप्रैल तय की है

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 27 मार्च। राजस्थान हाई कोर्ट में राज्य सरकार द्वारा नियुक्त एडीशनल एडवोकेट जनरल (ए.ए.जी.), पद्मेश मिश्रा की नियुक्ति के खिलाफ अपील दायर की गई है। इस अपील में अधिवक्ता सुनील समदड़िया ने हाईकोर्ट के एकल पीठ द्वारा 4 फरवरी को दिए गए आदेश को चुनौती दी है, जिसके तहत अधिवक्ता पद्मेश मिश्रा की नियुक्ति को उचित ठहराया गया था। जैसा कि विदित है कि राज्य सरकार ने पद्मेश मिश्रा को सुप्रीम कोर्ट में पैरवी के लिए नियुक्त किया था।

इस अपील की पहली सुनवाई मुख्य न्यायाधीश एम.एम. श्रीवास्तव और न्यायाधीश भुवन गोयल के समक्ष 3 मार्च को हुई थी, परन्तु मुख्य न्यायाधीश ने इस मामले को सुनवाई के लिए किसी अन्य खण्डपीठ को सौंपे जाने के आदेश दिए थे और उन्होंने स्वयं इस मामले को सुनने के लिए असमर्थता बताई थी।

यह मामला न्यायाधीश इन्द्रजीत सिंह और न्यायाधीश प्रमिल कुमार माथुर की खण्डपीठ के समक्ष सुनवाई के लिए सूचीबद्ध हुआ था। अदालत ने इस मामले में सुनवाई करते हुए याचिकाकर्ता अधिवक्ता सुनील समदड़िया को आदेश दिए कि वे अपील की प्रति राज्य सरकार की ओर से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता और ए.ए.जी. भरत व्यास को सौंपें। अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई 4 अप्रेल को तय की है।

जैसा कि विदित है, इस मामले में याचिकाकर्ता का कहना है कि राज्य सरकार ने अपनी वादनीति 2018 में उचित और उपयुक्त संशोधन नहीं किए और नीति की अवहेलना करते हुए पद्मेश मिश्रा को ए.ए.जी. घोषित कर दिया।

याचिकाकर्ता का कहना है कि वादनीति 2011 में ए.ए.जी. घोषित करने के लिए न्यूनतम अनुभव के संबंध में कोई मापदंड निर्धारित नहीं था, केवल यह कहा गया था कि सरकारी वकील बनने के लिए 7 वर्ष का अनुभव अनिवार्य है, परन्तु वर्ष 2018 की वादनीति के तहत, ए.ए.जी. की नियुक्ति के लिए अधिवक्ता के पास कम से कम 10 साल का अनुभव होना अनिवार्य है, जो पद्मेश मिश्रा के पास नहीं है।

याचिकाकर्ता का कहना है कि पद्मेश मिश्रा के सुप्रीम कोर्ट में पैनल लॉयर नियुक्त होने के तीन दिन के भीतर राजस्थान सरकार ने वादनीति में संशोधन किया (जो बिलकुल भी स्पष्ट और नीतिगत नहीं है) और फिर पद्मेश मिश्रा को संशोधित नियम के तहत ए.ए.जी. घोषित कर दिया। याचिकाकर्ता का कहना है कि यह संशोधन राज्य सरकार को किसी भी व्यक्ति विशेष को ए.ए.जी. घोषित करने का अधिकार देता है, परन्तु यह संशोधन नीति की अन्य धाराओं के विरूद्ध है, जिसमें ए.ए.जी. के नियुक्ति के लिए न्यूनतम अनुभव के मापदण्ड दिए गए हैं।

याचिकाकर्ता का कहना है कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- जैसा कि विदित है, इस मामले में याचिकाकर्ता सुनील समदड़िया का कहना है कि राज्य सरकार ने अपनी वादनीति 2018 में उचित और उपयुक्त संशोधन नहीं किए और नीति की अवहेलना करते हुए पद्मेश मिश्रा को ए.ए.जी. घोषित कर दिया।
- नियुक्ति के लिए अधिवक्ता को कम से कम 10 साल का अनुभव होना अनिवार्य बताया गया है, जो पद्मेश मिश्रा के पास नहीं है।

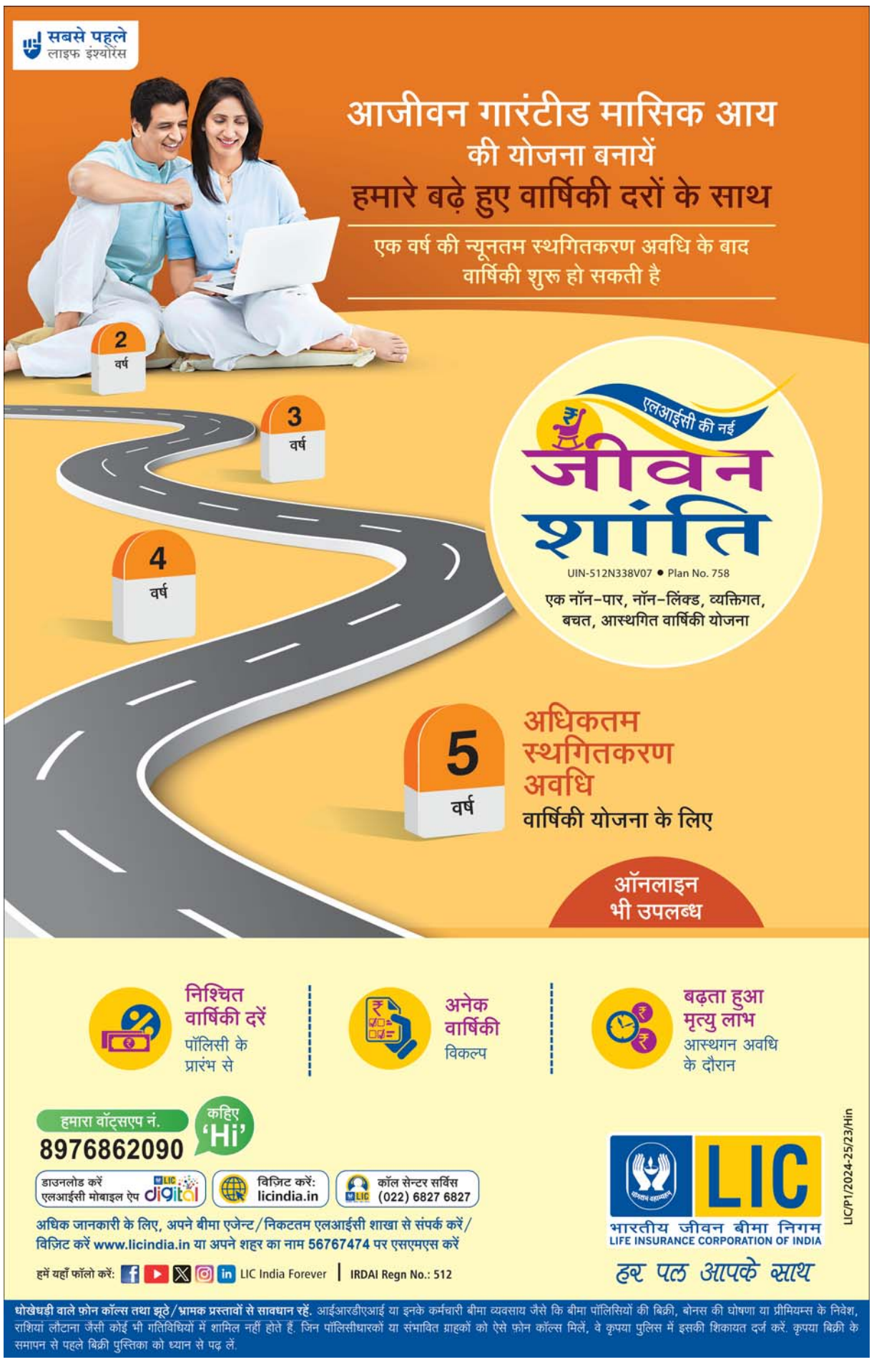

अवैध खनन का विरोध करने पर खनन माफिया ने ग्रामीणों को धमकाया

आक्रोशित ग्रामीणों ने मांडलगढ़ में पुलिस अधिकारियों को ज्ञापन देकर न्याय की गुहार लगाई

माण्डलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ में बिजौलियां थाना क्षेत्र के नयानगर में ग्रामीणों पर खनन माफिया और पुलिस की दबंगई का मामला सामने आया है। खनन माफिया और पुलिस पर महिलाओं व ग्रामीणों ने मारपीट करने का आरोप लगाया है। इस मामले को लेकर आक्रोशित ग्रामीणों ने मांडलगढ़ पुलिस उप अधीक्षक कार्यालय के बाहर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया और मांडलगढ़ थाना प्रभारी प्रशिक्षु आईपीएस जतिन जैन व डीएसपी बाबूलाल विश्नोई को शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की।

नयानगर में अवैध खनन बन्द करने की मांग लेकर पहुंचे आक्रोशित ग्रामीणों ने डीएसपी कार्यालय पर प्रदर्शन किया।

- ज्ञापन में खनन माफिया और पुलिस पर महिलाओं व ग्रामीणों ने मारपीट का आरोप लगाया

ग्रामीणों द्वारा दिए गए ज्ञापन में बताया कि नया नगर की सरकारी भूमि खसरा नम्बर 124 के करीब पांच बीघा हिस्से में नागपाल बंजारा और इसके गिरोह के लोग बीते 2 माह से करोड़ों रूपये के सेंड स्टोन का अवैध खनन चोरी कर लिया है, जब ग्रामीणों ने उक्त अवैध खनन की प्रशासन के अधिकारियों और पुलिस को शिकायत की तो खनन माफिया के लोगों ने ग्रामीणों को हथियारों के दम पर गांव की महिलाओं को जातिसूचक गाली-गलौच की और कुछ युवकों व ग्रामीणों के साथ मारपीट कर धमकाया गया। ज्ञापन में बताया कि खनन माफिया के इशारे पर बिजौलियां थाने के पुलिसकर्मियों ने गांव के कई लोगों को जबरन थाने में लाकर बंद कर दिया, पुलिस ने शिकायत वापस लेने के लिए दबाव बनाकर धमकाया।

ग्रामीणों ने बताया कि अवैध खनन की शिकायत बिजौलियां उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार और खनिज विभाग को कई बार की गई, लेकिन आज तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई, जबकि आज से तीन साल पूर्व इसी सरकारी भूमि में खनिज विभाग ने अवैध खनन का पंचनामा बनाया था।

नया नगर की सरकारी भूमि में खनन नियमों को ताक में रखकर काफी गहराई तक धड़ल्ले से सेंडस्टोन का अवैध खनन किया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि खनन माफिया को राजनीतिक संरक्षण होने के कारण पुलिस और प्रशासन कार्रवाई करने से कतरा रहा है। इस मामले को लेकर नयानगर की महिलाओं में मोहनी देवी भील, नंदू देवी भील, गुलाबी देवी भील, प्रेम देवी भील व लादी बाई भील ने प्रोबेशनर आईपीएस जतिन जैन को नागपाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने ओर न्याय की गुहार लगाई है। उधर खनिज विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक बताया कि ग्रामीणों की शिकायत मिलने पर मौक़े पर जाकर वैध या अवैध खनन की जांच की जाएगी।

बिजौलियां थानाधिकारी ने बताया कि नागपाल बंजारा वैध खदान पर कुछ युवकों ने जाकर हंगामा करने की शिकायत पर कुछ चिन्हित युवकों को पूछताछ के लिए थाने लाया गया था और कुछ युवकों को पाबंद भी किया गया है। शिकायत में पुलिस पर लगाए गए आरोप निराधार हैं।

भारतीय जाली मुद्रा सप्लाई मामले में एक गिरफ्तार

सांभरझील, (निसं)। भारतीय जाली नोट सप्लाई करने के मामले में पुलिस थाना जोबनेर ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए युवक से पुलिस ने 100 रुपए के 21 जाली नोट भी जब्त किए हैं।

थाना अधिकारी जोबनेर सुहेल खान के नेतृत्व में कार्रवाई को अंजाम दिया गया। आनन्द शर्मा उप महानिरीक्षक पुलिस सह-पुलिस अधीक्षक जिला जयपुर ग्रामीण ने बताया है कि जिले में अवैध गतिविधियों में संलिप्त अपराधियों के खिलाफ व भारतीय जाली नोट छापने वाले गिरोह के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने हेतु सभी पुलिस अधिकारियों को दिशा निर्देश जारी किए गए थे। कार्रवाई करने हेतु जिले के समस्त थानाधिकारियों को निर्देशित किया गया था। पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति जो अभी आसलपुर से पहले एक दुकानदार से 100 रुपये के जाली नोट का सामान खरीद कर आसलपुर फाटक की तरफ पैदल भाग गया है, जिसके पास काफी मात्रा में जाली नोट हो सकते हैं। सूचना पर पुलिस टीम आसलपुर फाटक से करीब 100-200 मीटर पहले जोबनेर रोड़ पर पंहुची और नाकाबंदी कर एक व्यक्ति अशोक कुमार बलाई पुत्र स्व. श्रवणलाल बलाई निवासी लालासर बावड़ी थाना रेनवाल जिला जयपुर के कब्जे से 100-100 रुपये के 21 भारतीय जाली नोट जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया और इसके खिलाफ प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया है। आरोपी ने इससे पूर्व भारतीय जाली मुद्रा किन-किन व्यक्तियों को, किन-किन स्थानों पर और कितनी मात्रा में कूटरचित भारतीय मुद्रा सप्लाई की है। साथ ही इसके गिरोह में अन्य कौन-कौन अपराधी शामिल हैं, इस संबंध में भी पूछताछ जारी है।

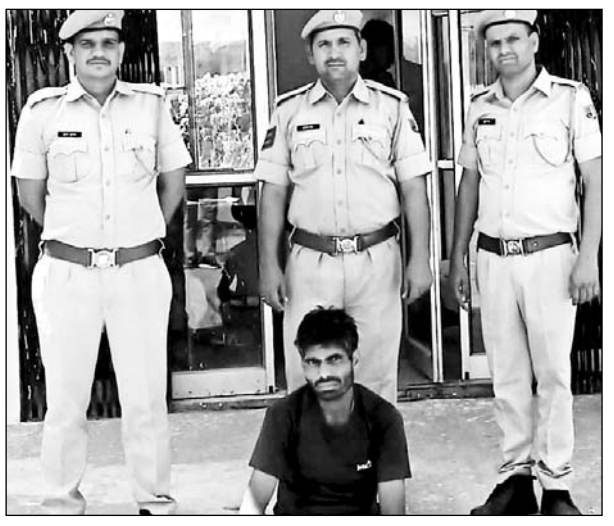

जोबनेर थाना पुलिस ने भारतीय जाली नोट सप्लाई करने के मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया।

- पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 100-100 रुपये के 21 जाली नोट जब्त किये

पावटा प्रागपुरा नगर पालिका का विस्तार होगा

पावटा, (निसं)। कोटपुतली-बहरोड़ जिले की पावटा प्रागपुरा नगर पालिका का विस्तार किया जा रहा है, जिसके तहत राजस्थान नगरपालिका अधिनियम, 2009 के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए वर्तमान सीमा क्षेत्र में छह ग्राम पंचायतों को शामिल करने की अधिसूचना जारी हुई है। इस निर्णय के बाद पावटा प्रागपुरा नगर पालिका का क्षेत्रफल बढ़ेगा और अधिक गांवों को शहरी सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

- वर्तमान सीमा क्षेत्र में छह ग्राम पंचायतों को शामिल करने की अधिसूचना जारी हुई
- नगर पालिका क्षेत्र में विस्तार के बाद इन गांवों में लोगों को शहरी विकास योजनाओं का सीधा लाभ मिलेगा

नगरपालिका के नवीन सीमा विस्तार में ग्राम पंचायत जोधपुरा का राजस्व गांव जोधपुरा, कल्याणपुरा, किरारोड गांव का संपूर्ण सीमा क्षेत्र शामिल होगा। ग्राम पंचायत बड़नगर के अंतर्गत राजस्व गांव बड़नगर, अम्बेडकर नगर, अवधपुरी, दूल्हेसिंह का बास का संपूर्ण सीमा क्षेत्र आएगा। ग्राम पंचायत लाडाकाबास इसमें राजस्व गांव लाडाकाबास, अहीर की बावड़ी, झीडागढ़ का संपूर्ण सीमा क्षेत्र शामिल किया जाएगा। ग्राम पंचायत खेलना इसके अंतर्गत राजस्व गांव खेलना, गंगुपुरा का संपूर्ण सीमा क्षेत्र शामिल होगा। वही ग्राम पंचायत भांकरी का राजस्व ग्राम भांकरी का संपूर्ण सीमा क्षेत्र, ग्राम पंचायत चौबाला का राजस्व ग्राम दादाकाबास का संपूर्ण सीमा क्षेत्र, ग्राम पंचायत वीर तेजाजी नगर का राजस्व ग्राम भोजाकाबास का संपूर्ण सीमा क्षेत्र शामिल होगा। नगर पालिका क्षेत्र में विस्तार के बाद इन गांवों में शहरी विकास योजनाओं का सीधा लाभ मिलेगा। स्वच्छता, जल निकासी, सड़क निर्माण, स्ट्रीट लाइट, पेयजल आपूर्ति, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार होगा। इसके अलावा, इन क्षेत्रों में मकानों, व्यावसायिक परिसरों और अन्य बुनियादी ढांचे का तेजी से विकास होगा।

प्रशासन का कहना है कि नगर पालिका क्षेत्र के विस्तार से क्षेत्र के लोगों को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। ग्रामीण क्षेत्रों को शहरी सुविधाओं से जोड़ने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। विस्तार के बाद नए क्षेत्रों में नगरपालिका की ओर से विभिन्न विकास कार्य किए जाएंगे। पावटा प्रागपुरा नगरपालिका का विस्तार कर छह ग्राम पंचायतों को शामिल करने पर जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों ने विधायक कुलदीप धनकड का आभार जताया।

नये शिक्षा सत्र में चार हजार स्कूलों को प्रिंसिपल मिलेंगे

बीकानेर, (निसं)। नया शिक्षा सत्र शुरू होने के साथ ही राजस्थान के चार हजार स्कूलों को प्रिंसिपल मिल जाएंगे। इस पोस्टिंग के साथ ही बड़ी संख्या में प्रिंसिपल इधर-उधर हो सकते हैं। फिलहाल रिक्त पदों पर काउंसलिंग करने के लिए शिक्षा विभाग ने मेरिट जारी करते हुए इस पर आपत्ति मांगी है। इसके बाद काउंसलिंग कार्यक्रम जारी किया जाएगा।

- इस पोस्टिंग के साथ ही बड़ी संख्या में प्रिंसिपल इधर-उधर हो सकते हैं

जानकारी के अनुसार साल 2012-13 से साल 2021-22 तक के रिक्त पदों पर शिक्षा विभाग ने शेष रही पदोन्नति कर दी है। विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक में इन 10 सालों की रिव्यू डीपीसी की गई। इसके अलावा साल 2023-24 की मूल डीपीसी करते हुए चार हजार 55 प्रिंसिपल का चयन किया गया है। पूर्व में पदोन्नति के साथ ही इन प्रिंसिपल को उसी स्कूल में पदस्थापित कर दिया गया था, जहां ये पहले से काम कर रहे थे। स्कूलों में पढ़ाई को प्रभावित होने से बचाने के लिए एकबारगी ऐसा पदस्थापन हुआ था। अब विभागीय नियमों के तहत ऑनलाइन काउंसलिंग की जाएगी। शिक्षा विभाग ने 28 मार्च तक मेरिट पर आपत्ति मांगी है। इसके बाद ऑनलाइन काउंसलिंग कार्यक्रम जारी किया जाएगा। सभी चार हजार 55 प्रिंसिपल को अपनी इच्छानुसार स्कूल में जाने का अवसर दिया जाएगा। हर स्कूल में एक प्रिंसिपल होता है। ऐसे में एक ही स्कूल के लिए दो या इससे ज्यादा आवेदन होने पर मेरिट नियमों के तहत पोस्टिंग दी जाएगी। हर प्रिंसिपल को अपने निर्धारित विकल्प देने होंगे। हर बार की तरह दिव्यांग और महिला कैंडिडेट्स को प्राथमिकता देते हुए शहर या शहर के आस-पास पोस्टिंग मिलेगी। रिव्यू डीपीसी में कुछ प्रिंसिपल तो अब रिटायर हो चुके हैं। ऐसे में उनको काउंसलिंग में शामिल नहीं किया जाएगा।

रिफाइनरी में तीन दिन से तेंदुए की दहशत

बालोतरा, (निसं)। बालोतरा की रिफाइनरी में पिछले तीन दिनों से तेंदुए की दहशत बनी हुई है। वन विभाग की कई टीमें लगातार प्रयास कर रही है कि तेंदुए को सुरक्षित और स्वस्थ तरीके से पकड़कर एक सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जा सके। मंगलवार शाम चार बजे के बाद से तेंदुए का लगातार मूवमेंट देखा गया है। कई बार तेंदुआ सीसीटीवी में भी कैद हुआ है। तेंदुआ मशीनरी और स्ट्रक्चर के पीछे लुकाछिपी कर रहा है, जिससे उसे पकड़ना मुश्किल हो रहा है। जोधपुर, बालोतरा और बाडमेर की पांच टीमें मिलकर रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही हैं। वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी तेंदुए को पकड़ने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। उम्मीद है कि जल्द ही तेंदुए को सुरक्षित और स्वस्थ तरीके से पकड़ लिया जाएगा और उसे एक सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जाएगा।

विवाहिता की मौत

निवाई, (निसं)। गांव थली की ढाणी सीदड़ा में एक विवाहिता की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। सूचना पर थाना अधिकारी रामजीलाल बैरवा पुलिस जाप्ते के साथ ढाणी में पहुंचे और विवाहिता के शव को कब्जे में लेकर एंबुलेंस की सहायता से मृतका के शव को राजकीय सामुदायिक चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया।

थानाधिकारी बैरवा ने बताया कि मृतका की पहचान प्रियंका (23) पत्नी पप्पूलाल मीणा के रूप में हुई। थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा ने बताया कि मृतका के पिता गिर्राज मीणा निवासी रामनगर खेड़ी तहसील रामगढ़, जिला दौसा ने मामला दर्ज करवाया कि वर्ष 2022 में उसकी पुत्री का विवाह गांव थली की ढाणी सीदड़ा निवासी पप्पूलाल मीणा के साथ हुआ था।

कई वर्षों से आश्रम में रह रहे दो लावारिस बांग्लादेशी निकले

सूरतगढ़, (कासं)। रेलवे स्टेशन पर सात साल और तीन साल पहले मिले दो लावारिस और मंद्बुद्धि व्यक्ति जांच में बांग्लादेशी निकले। इन दोनों को एक आश्रम में रखा गया था। दोनों ने बातों ही बातों में अपने गांव का नाम और अन्य जानकारी दी, जिसके बाद आश्रम के सेवादारों ने बुधवार शाम को परिजनों से कॉन्टैक्ट करने के लिए पता गूगल मैप में डाला तो दोनों की लोकेशन बांग्लादेश में निकली। सेवादारों ने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस और इंटेलिजेंस के अधिकारियों ने दोनों से पूछताछ की और बाद में श्रीगंगानगर मुख्यालय पर जेआईसी को सौंप दिया।

- पुलिस और इंटेलिजेंस के अधिकारियों ने दोनों से पूछताछ की

सबइंस्पेक्टर सोहन लाल ने बताया कि सूरतगढ़ रेलवे स्टेशन पर वर्ष 2018 में लावारिस हालत में मिले एक व्यक्ति को नेशनल हाईवे-62 स्थित पालीवाला के हरप्रभ आश्रम में छोड़ा गया था। इसी तरह वर्ष 2022 में भी रेलवे स्टेशन पर लावारिस हालत में मिले एक और व्यक्ति को भी आश्रम में भिजवाया गया था। आश्रम में रहते हुए दोनों की सेवादारों के साथ अच्छी जान-पहचान हो गई। ऐसे में सेवादारों ने बातों-बातों में गांव और परिवार की बात की तो दोनों ने अपने गांव के नाम बता दिए। सेवादारों ने दोनों को उनके परिजनों को सौंपने के लिए जब गूगल पर उनके गांव के नाम सर्च किए तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। जिन गांवों के नाम दोनों लावारिसों ने बताए उनकी लोकेशन बांग्लादेश में होने की जानकारी मिली। इस पर आश्रम के सेवादारों ने मामले से सूरतगढ़ सदर थाना पुलिस को अवगत करवाया, जिस पर पुलिस जाप्ता तुरंत ही मौके पर पहुंच गया और दोनों को पूछताछ के लिए थाने ले आया।

पूछताछ में एक ने अपना नाम उज्जवल तुहीन खान (30) पुत्र बादल खान बताया। उसने अपने गांव का नाम सोनपुर, जिला पीरिसपुर बताया। दूसरे ने अपनी पहचान अमीरुल इस्लाम (40) पुत्र पीसू मोहम्मद बताई। उसने बताया कि वह मोहतपुर गांव के जिला ठाकुर का रहने वाला है। दोनों की जब लोकेशन गूगल पर डाली तो लोकेशन बांग्लादेश की मिली। पुलिस ने बताया कि दोनों से पूछताछ के बाद उन्हें जिला मुख्यालय श्रीगंगानगर में गुप्तचर एजेंसियों के हवाले कर दिया गया है। जहां दोनों से पूछताछ जारी है। इसके बाद इन्हें आगे डिपोर्टेशन सेंटर भेजा जा सकता है। एसपी गौरव यादव ने कहा- पूछताछ में प्रथम दृष्टया इनके बांग्लादेशी होने की जानकारी सामने आई है। उनके बताए गए नाम पते की उच्चाधिकारियों के स्तर पर आगे जांच करवाई जाएगी। इंटेलिजेंस पुलिस भी इनसे पूछताछ में जुटी है। पूरी पूछताछ के बाद ही मामले में कुछ कहा जा सकता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल आज भीलवाड़ा जिले के दौरे पर रहेंगे

भीलवाड़ा, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार 28 मार्च को भीलवाड़ा जिले के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री शर्मा भीलवाड़ा में राज्य सरकार द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय सुशासन दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दौरे की तैयारियों का अंतिम जायजा लेने हेतु जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधु ने गुरुवार को चित्रकूट धाम में कार्यक्रम स्थल व एमएलवी कॉलेज में बनाए जा रहे अस्थाई हेलीपैड स्थल का जायजा लिया एवं तैयारियों का निरीक्षण किया। कार्यक्रम स्थल के निरीक्षण के पश्चात जिला कलेक्टर ने माणिक्यलाल वर्मा राजकीय महाविद्यालय में बनाये जा रहे हेलीपैड स्थल का भी जायजा लिया। राज्य स्तरीय सुशासन दिवस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शर्मा के साथ ही विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उपमुख्यमंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री प्रेमचंद बैरवा, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल चौधरी सहित अन्य वरिष्ठ जनप्रतिनिधि व अधिकारी भी शिरकत करेंगे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे, साथ ही विभिन्न योजनाओं के शुभारंभ और लाभार्थी लाभ वितरण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान महापौर राकेश पाठक, प्रशांत मेवाड़ा, पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव, अति. कलेक्टर ओमप्रकाश मेहरा, ए. एसपी पारस, नगर विकास न्यास सचिव ललित गोयल, जिला परिषद सीईओ चंद्रभानसिंह, सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

राजस्थान युवा बोर्ड
(युवा मामले एवं खेल विभाग, राजस्थान सरकार), सवाई मानसिंह स्टेडियम, प्रताप नगर, जयपुर टेलीफैक्स 0141-2741489

क्रमांक : प. 1(37)रायुबो/2022/पार्ट II-2025 जयपुर, दिनांक :- 26/03/2025

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या 08/2024-25 भोजन एवं आवास व्यवस्था

राज्य सरकार के निर्णय के अध्ययधीन एक वर्ष की अवधि के लिए राजस्थान प्रदेश के 100 युवक-युवतियों के लिए दिल्ली में विभिन्न कोचिंग एवं कैरियर काउन्सलिंग हेतु युवाओं को भोजन एवं आवास की वैकल्पिक सुविधा देने हेतु दक्ष, प्रतिष्ठित व अनुभवी फर्म/संस्था/कम्पनी से निर्धारित प्रपत्र में अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या 08/2024-25, दिनांक 26.03.2025 से 07.04.2025 को दोपहर 2.00 बजे तक निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा संबंधित पूर्ण विवरण राजस्थान युवा बोर्ड, जयपुर की वेबसाईट www.youthboard.rajasthan.gov.in एवं लोक उपापन पार्टल https://sppp.rajasthan.gov.in व https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB Code - RYB2425A0008, UBN No. - RYB2425SLOB00008

राज.संवाद/सी/24/14052 सदस्य सचिव

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PHED DIVISION KARAULI
PH.NO. 07464-250219 E-Mail-ee.kar.phed@rajasthan.gov.in

Notice Inviting Bid

Bids for construction and commissioning of handpump works under phed division karauli are invited from interested bidders up to 02.04.2025 other particulars of the bid may be visited on the procurement portal eproc.rajasthan.gov.in and sppp.raj.nic.in website.

NIB CODE-PHE2425A5485

S.NO.	NIT NO.	UBN
1	170/2024-25	PHE2425WSOB12001
2	171/2024-25	PHE2425WSOB12002
01	Total work	02
02	Total Estimate Cost	100.00 Lac
03	Bid submission end date	01.04.2025 up to 06.00 PM
04	Bid opening date	02.04.2025 at 11.00 AM

(Vijay Kumar Meena)
Executive Engineer
PHED Division Karauli

DIPR/C/4318/2025

राजस्थान सरकार
निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर
क्रमांक-निदे/अ.ख.अ.नीलामी/निलामी (ERCC/RCC 09) /2025/ई-10649

ई-नीलामी विज्ञप्ति संख्या- (ERCC/RCC 09)/2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के नियम-36 व 37 के तहत विभाग द्वारा इस विज्ञप्ति से अप्रधान खनिजों के प्रभावशील खनन पट्टों/क्वारी लाईसेंसो व परमिट क्षेत्रों से निर्गमित होने वाले खनिजों पर अधिशुल्क/अधिक अधिशुल्क, परमिट शुल्क, प्रिमीयम शुल्क डी.एम.एफ.टी. आर.एस.एम.ई.टी. एवं अन्य शुल्क संग्रहण के कुल 26 ठेके खुली ई-नीलामी के माध्यम से दिये जाने हेतु इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर इच्छुक बोलीदाताओं से बोली आमंत्रित की जाती है। ठेकों से संबंधित विस्तृत विवरण जैसे-ठेका क्षेत्र, खनिज, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण व ई-ऑक्शन की प्रक्रिया एवं मुख्य शर्तें विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी MSTC की वेबसाइट www.mstcecommerce.com पर उपलब्ध है।

DIPR/C/4275/2025 (दीपक तंवर) निदेशक

राजस्थान सरकार
कार्यालय आबकारी आयुक्त, राजस्थान
आबकारी भवन2-गानियावाला, पंचवटी, उदयपुर-313001
क्रमांक-F.32(B)(1)((After Policy-2025-24)EX/L/2025-04359/1603 दिनांक-27.03.2025

मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) के अनुज्ञापत्र हेतु संशोधित ई-निविदा आमंत्रण सूचना

इस कार्यालय की समसंख्यक विज्ञप्ति पत्रांक 1592 दिनांक 25.03.2025 में उल्लेखित सारणी के क्रम संख्या 1 से 3 तक में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है-

1	निविदा दस्तावेज ऑनलाइन डाउनलोड करने की दिनांक व समय	दिनांक 26.03.2025 दोपहर 3.00 बजे से
2	निविदा दस्तावेज ऑनलाईन अपलोड करने की अन्तिम दिनांक व समय	दिनांक-28.03.2025 दोपहर 3.00 बजे तक
3	वित्तीय निविदा खोलने की दिनांक समय व स्थान	दिनांक 28.03.2025 को दोपहर 4.00 बजे से संबंधित जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय

वर्ष 2025-26 हेतु मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) के अनुज्ञापत्र से संबंधित समस्त जानकारी के लिए विभागीय वेबसाइट https://excise.rajasthan.gov.in का अवलोकन करें। अन्य जानकारी हेतु संबंधित अतिरिक्त आयुक्त जोन, जिला आबकारी अधिकारी एवं जिला कार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता है।

NIB-EXC2425A0201, UBN- EXC2425GLOB00191
अन्य सभी शर्तें यथावत रहेगी

(शिवप्रसाद नकाते)
आबकारी आयुक्त, राजस्थान

DIPR/C/4443/2025

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER
PUBLIC HELTH ENGINEERING DEPARTMENT
CIRCLE BEAWAR (KDISTRICT-BEAWARA), EMAIL:sephedbeawar@gmail.com

No.SE/CIRCLE BWR/2024-25/7540 **ONLIE NOTICE INVITING FOR TENDERS** Dated: 12.03.2025

Online tenders are invited on behalf of the Governor of Rajasthan for the following works from enlisted contractors with to PHED Rajasthan and meeting eligibiliy criteria. The tender document can be downloaded from the web site http://eproc.rajasthan.gov.in in details od the tender notification and prequalification criteria can also seen in NIT exhibited on web site http://sppp.rajasthan.gov.in

NIT No.	Work Description	Estimated Cost (Rs.in Lacs)	Earnest Money (in Rs.) in favour of tender inviting authority	Tender Cost (in Rs.)in favour of tender inviting authority	Processing charges (in Rs) in favour of MD RISL, Jaipur	Period of Contract
24/24-25	Work of Providing Laying, Jointing and commissioning of Various size of Di/HDPE PIPE Line with allied works for various wss under rurisdiction of PHED Division Beawar on Annual Rate Contract Basis	200.00	4,00,000/-	2000/-	2000/-	12 Month
निविदा प्रपत्र उपलब्ध होने की तिथी		12.03.2025 से 31.03.2025 सायं 03.00 बजे तक				
निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की अंतिम तिथी एवं समय		12.03.2025 से 31.03.2025 सायं 03.00 बजे तक				
ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथी एवं समय		31.03.2025 सायं 03.00 बजे तक				
प्री-क्वालीफिकेशन बिड खोलने की तिथी एवं समय		01.04.2025 दोपहर 02.00 बजे तक				

Earnest Money/Bid Security, Tender Document Cost, and RISL Charges shall be deposited through e-Challan over e-GRASS website online in Favour of Executive Engineer PHED Division Beawar (Office ID-11132) for NIT.

S.No.	Details	Budget Head	Deposited through online e-Challan over website e-GRASS
1	Earnest Money	8443-00-108-00-00 लोक निर्माण विभाग	In Favour of Executive Engineer, PHED Division Beawar
2	Tender Document Cost	0075-00-800-52-01 निविदा शुल्क की प्राप्तियां	(Office ID-11132)

DIPR/C/4278/2025 (SAMPATLAL JEENGER) SUPERINTENDING ENGINEER, PHED CIRCLE BEAWAR

हरियाणा निर्मित शराब बरामद, एक गिरफ्तार

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ थाना पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए गुरूवार को 17 कार्टन हरियाणा निर्मित शराब सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

राजगढ़ थाना अधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव आईपीएस द्वारा अवैध शराब के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही के निर्देशन के फलस्वरूप अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजगढ़ किशोरी लाल आरपीएस, सहायक पुलिस उप अधीक्षक राजगढ़ निश्चय प्रसाद एम आईपीएस के निकटतम सुपरविजन में थाना अधिकारी राजेश कुमार सिहाग पुलिस निरीक्षक थाना अधिकारी पुलिस थाना राजगढ़ द्वारा मय टीम के आरोपी सुमेर सिंह पुत्र हीरा राम जाट निवासी भामासी पीएस राजगढ़ (चूरू) के घर पर छिपाई हुये 17 कार्टन में भरे 624 पव्वे हॉफ माल्टा देशी शराब हरियाणा निर्मित बरामद कर आरोपी सुमेर सिंह को गिरफ्तार कर मामला दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ कर दिया है। कार्यवाही में राजगढ़ थाना पुलिस टीम में राजेश कुमार सिहाग थानाधिकारी पुलिस निरीक्षक, कुलदीप कांस्टेबल, सुरेश कुमार कांस्टेबल, कर्मपाल कांस्टेबल, इंद्र कुमार कांस्टेबल व अनिता महिला कांस्टेबल आदि शामिल रहे। कार्यवाही में सुरेश कुमार कांस्टेबल व कर्मपाल कांस्टेबल की विशेष भूमिका रही।

राजगढ़ थाना पुलिस ने गांव भामासी के अवैध शराब सहित एक जने को गिरफ्तार किया।

केमिकल चोरी और बिक्री मामले में दो जने गिरफ्तार

सादुलपुर, (निसं)। दुधवा खारा थाना पुलिस ने एजीटीएफ अपराध शाखा जयपुर टीम के निर्देशन पर सादुलपुर चूरू एनएच 52 पर स्थित होटल के पास बाड़े में केमिकल चोरी करने और बिक्री करने के आरोप में गुरूवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है तथा केमिकल से भरे 54 प्लास्टिक ड्रम जब्त कर दो लाख से अधिक की नगद राशि भी बरामद की है। इसके अलावा पुलिस ने एक टैंकर सहित इलेक्ट्रॉनिक कांटा ज्वलनशील केमिकल निकालने के उपकरण पाइप मोटर भी जब्त की है।

- केमिकल से भरे 54 ड्रमों सहित टैंकर जब्त, दो लाख से अधिक की नगदी बरामद की

थाना अधिकारी हंसराज गुर्जर ने बताया कि केमिकल मामले पुलिस को गश्त के दौरान सूचना मिली कि सादुलपुर-चूरू हाईवे पर एक होटल के पास एक बाड़े में अवैध ज्वलनशील पदार्थ केमिकल का कारोबार हो रहा है। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा कि एक केमिकल से भरे टैंकर से ज्वलनशील पदार्थ निकालकर चोरी हो रहा है तथा दो व्यक्ति टैंकर पर ऊपर ढक्कन खोलकर पाइप लगाकर इलेक्ट्रिक मोटर से प्लास्टिक के ड्रमों में केमिकल भर रहे थे, जिनको हिदायत दी तथा दोनों को काबू कर नाम पता पूछा तो एक ने अपना नाम नजीर खान पुत्र हकीम खान निवासी मोयलो का बास बाडमेर जिसने अपने आपको टैंकर का चालक होना बताया तथा केमिकल के पास खड़े व्यक्ति ने अपना नाम चन्दगीराम राम यादव उर्फ राजू पुत्र शंकरलाल यादव निवासी सेक्टर नंबर०दो प्लॉट नंबर 165 विद्याधर नगर जयपुर होना बताया तथा अपने आप को केमिकल खरीदने वाला होना बताया तथा केमिकल चोरी कर ड्रम भरना और बाद में केमिकल को बेचना बताया। मौके पर ज्वलनशील पदार्थ अवैध भंडारण के संबंध में सुरक्षा आत्मक उपाय नहीं किए गए। जिससे दुर्घटना जन हानि होने की संभावना है। केमिकल के कारोबार के संबंध में लाइसेंस परमिट कागजात नहीं होना पाया गया।

दो गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। गुमानपुरा पुलिस टीम ने अवैध हथियार चाकू सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गुमानपुरा थानाधिकारी अनिल कुमार ने बताया कि टीम ने घण्टाघर निवासी अब्दुल सलाम (42) को गिरफ्तार किया। वहीं आमिर उर्फ नीलू को अवैध हथियार चाकू सहित गिरफ्तार किया।

सुंदर विचारों से ओतप्रोत सृजनात्मक मस्तिष्क के साथ मजबूत बनें : डॉ. कर्णसिंह

उदयपुर के भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह आयोजित

उदयपुर, (कासं)। उच्च शिक्षा में गुणवत्ता और शोध को प्रोत्साहित करने के लिए समर्पित उदयपुर के भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह का आयोजन गुरूवार को भूपाल नोबल्स संस्थान के महाराणा प्रताप खेल मैदान पर सम्पन्न हुआ, जिसमें देशभर से प्रतिष्ठित अतिथियों की उपस्थिति रही। दीक्षांत समारोह बेटियों के नाम रहा। 147 में से 131 स्वर्ण पदक बेटियों को मिले तो सबके चहरे खिल उठे। समारोह में 224 को पीएच.डी की उपाधि प्रदान की गई जिसमें से 154 बेटियों के नाम रही। इसमें भी 68.75 प्रतिशत अर्थात 154 पीएचडी सिर्फ बेटियों ने प्राप्त कर पचरम फहरा दिया।

दीक्षांत समारोह को पूर्व केंद्रीय मंत्री व राज्यसभा सदस्य डॉ. कर्णसिंह ने संबोधित किया।

- सभी दिशाओं से आने वाले अच्छे विचारों का स्वागत कीजिए व लोक कल्याण में आगे बढ़ियेः कर्नल प्रो. सारंगदेवोत

मुख्य अतिथि पद्म विभूषण से सम्मानित एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री, राज्यसभा सदस्य डॉ. कर्णसिंह ने कहा कि जब तक आप अपना निर्माण नहीं करोगे, तब तक आप इस योग्य नहीं बनोगे कि आप इस भारतवर्ष का निर्माण कर सको। अपना निर्माण आपको हर प्रकार से करना होगा। अपने शरीर को स्वस्थ रखो। स्वस्थ रहिये ताकि देश सेवा में लग सकें। दिमाग को चतुर बनाइये। बदलते दौर में अपने दिमाग को तेज बनाइये। उसका सृजनात्मक प्रयोग लगातार कीजिए, सीखिये जितना कुछ हो सके। सीखने की कोई उम्र नहीं होती, मैं आज तक सीखता ही जा रहा हूं। जहां से अच्छे विचार आएं, हमें सीखना चाहिए। शरीर को बनाइये, मस्तिष्क को बनाइये। डॉ. कर्णसिंह ने कहा कि सुंदर विचारों से ओतप्रोत सृजनात्मक मस्तिष्क के साथ मजबूत बनिये और नया देश बनाइये। घृणा, गुस्सा, दुश्मनी द्वेश बढ़ते जा रहे हैं जो हमारे समाज के लिए अच्छे नहीं है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत विविधताओं का देश है फिर भी उसमें एकता है। हमें यह एकता कायम रखती है। मेरी उम्र स्वतंत्र भारत से ज्यादा है। किस प्रकार से आजादी से पहले घृणा, नफरत, अलगावावाद की बातें चलीं व अंत में तीन हिस्से भारतवर्ष के हो गए, लाखों लोग बेघर हो गए। ये होता है परिणाम घृणा का।

समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि महाराजा डॉ. कर्णसिंह, चेयरपर्सन कर्नल प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत, मंत्री महेन्द्र सिंह आगरिया, प्रबंध निदेशक मोहब्बत सिंह रूपाखेड़ी, अध्यक्ष डॉ. चेतन सिंह चौहान, रजिस्ट्रार डॉ. एन.एन. सिंह द्वारा पंडित प्रो. परमानंद भारद्वाज के मंत्रोच्चारण के साथ मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पांजली एवं दीप प्रज्जवलित कर किया गया। अध्यक्षता करते हुए विवि के चेयरपर्सन कर्नल प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत ने कहा कि 1923 में वंचित वर्ग को शिक्षा की मुख्य धारा से जोडने के उद्देश्य से तात्कालीन महाराज कुंवर भूपालसिंह ने नोबल्स विद्यालय की स्थापना की जिसे 2015 में राजस्थान सरकार ने विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया। उन्होंने कहा कि साहित्यिक, सांस्कृतिक, वन शिविर, इंडस्ट्रियल विजिट, जन जागरूकता कार्यक्रम, नॉलेज शेयरिंग आदि में हमारा विवि बेस्ट प्रैक्टिस के तहत एमओयू साझा कर रहा है। हमें गर्व है कि 90 प्रतिशत गोल्ड मेडल छात्राओं ने जीते हैं। पीएचडी धारक भी 70 प्रतिशत से अधिक महिलाएं हैं। सत्य यह है कि नारी संपूर्ण राष्ट्र को सही दिशा दिखा रही है। हमारी प्राचीन भारतीय सभ्यता में शिक्षक को सर्वोत्तम स्थान प्राप्त है।

समारोह से पूर्व अतिथियों द्वारा संस्थान परिसर में लगी भूपालसिंह की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया, ततपश्चात एनसीसी केडेट्स द्वारा डॉ. कर्णसिंह को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इसके बाद विवि के परंपरागत रीति-रिवाजों के अनुसार सेरेमोनियल रोबिंग हुई। चेयरपर्सन प्रो. कर्नल एस.एस. सारंगदेवोत द्वारा मुख्य अतिथियों का औपचारिक स्वागत एवं समारोह की आधिकारिक घोषणा के बाद दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को पीएचडी की उपाधियाँ प्रदान की गई। डॉ. महेंद्र सिंह ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर एमपीयूटी के कुलपति प्रो. अजित कुमार कर्नाटक, आईपीएस डॉ. विष्णुकांत, आईएस शक्ति सिंह राठौड़, डॉ. चेतना भाटी, सीकर जिला प्रमुख गायत्री राठौड़, वरिष्ठ अधिवक्ता सुशील कुमार, पूर्व विधायक त्रिलोक पुर्बिया, प्रो. एकलिंग सिंह, प्रो. जरियाव सिंह, राजेन्द्र सिंह, शक्ति सिंह, डॉ. युवराज सिंह, नवल सिंह जुड, नकुल सिंह, कमलेश्वर सिंह, भंवर सिंह चौहान, सुरेन्द्र प्रताप सिंह शक्तावत, करण सिंह चुण्डात, महेन्द्र सिंह चुण्डावत, पुष्पेन्द्र सिंह शक्तावत, राजेन्द्र सिंह राणावत, कुलदीप सिंह चुण्डावत, महेन्द्र सिंह पाटिया पीजीडीन डॉ. प्रेम सिंह रावलोत, डॉ. रेणु राठौड, डॉ. रितु तोमर, डॉ. रजनी अरोडा, भानु प्रताप सिंह सहित संस्थान के डीन, डायरेक्टर सहित शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

जैसलमेर में शहीद जयसिंह भाटी की प्रतिमा का अनावरण किया

शहीद जयसिंह भाटी की आदमकद प्रतिमा का अनावरण शहीद जयसिंह भाटी सर्किल पर हुआ।

जैसलमेर, (निसं)। शहीद जयसिंह भाटी के 29वें बलिदान दिवस पर शहीद जयसिंह भाटी सर्किल पर आदमकद प्रतिमा का अनावरण हुआ। सेना की ओर से शहीद को सलामी दी गई।

समारोह में ख्याला मठ महंत गोरखनाथ, सीसुब महानिरीक्षक योगेंद्रसिंह, पूर्व विधायक जितेंद्रसिंह भाटी, रूपाराम धनदे, समाजसेवी सुनीता भाटी, जिला प्रमुख प्रतापसिंह, पूर्व सांसद मानवेन्द्रसिंह, विधायक छोटूसिंह भाटी, स्वामी प्रतापपुरी, रविन्द्रसिंह भाटी, पूर्व सांसद कर्नल सोनाराम चौधरी, पूर्व जिला प्रमुख अंजना मेघवाल, कलेक्टर प्रतापसिंह, पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी, निर्वतमान सभापति हरिवललभ कल्ला, एडवोकेट सवाईसिंह देवड़ा, जितेंद्रसिंह भाटी पूनमनगर, मदनसिंह राजमथाई, आयुक्त लजपालसिंह सोढा सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। शहीद जयसिंह भाटी के 29वें बलिदान दिवस पर शहीद जयसिंह भाटी सर्किल पर आदमकद प्रतिमा के अनावरण के दौरान जीवनलाल दलाल को जयसिंह स्मारक बनाने के लिए बेस्ट ठेकेदार के रूप में छोटूसिंह भाटी और मानवेंद्रसिंह द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिले के सभी समाजों के लोगों सहित हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

- उपकमांडेंट जयसिंह भाटी ने 27 मार्च 1996 को कश्मीर के सोपोर में आतंकवादियों से संघर्ष करते हुए प्राण त्याग दिये थे
- जयसिंह भाटी के नाम पर सीमा सुरक्षा बल ने एक सीमांत चौकी का नाम ''जय'' रखा है तथा गुवाहाटी (असम) की एक सड़क का नाम शहीद जयसिंह के नाम किया है

जानकारी के अनुसार शहीद जयसिंह भाटी जैसलमेर के दक्षिणी बसियां गांव देवड़ा के निवासी थे। सीमा सुरक्षा बल में उपकमांडेंट पद पर रहते हुए 27 मार्च 1996 को कश्मीर के सोपोर में आतंकवादियों से संघर्ष करते हुए प्राण त्याग दिये थे। उनके अदम्य साहस, पराक्रम व शौर्य को देखते हुए तत्कालीन भारत सरकार द्वारा राष्ट्रपति पुलिस पदक से नवाजा गया था। उनके नाम पर सीमा सुरक्षा बल ने एक सीमांत चौकी का नाम ''जय'' रखा है तथा उनकी 42 वीं बटालियन द्वारा गुवाहाटी (असम) की एक सड़क का नाम शहीद जयसिंह के नाम किया गया है।

भारत-पाक सीमा पर बीएसएफ की चुनौतियां कम नहीं हो रही

बीकानेर, (निसं)। भारत-पाक सीमा पर बीएसएफ की चुनौतियां कम नहीं हो रही हैं। सीमा पार पाकिस्तान में इन दिनों 12 हेरोइन तस्कर सक्रिय हैं। छह पंखों वाले ड्रोन ऑपरेट कर रहे हैं जो ज्यादा वजन और दूरी तय करने में सक्षम है।

बीएसएफ की इंद्रजीत सीमा चौकी एरिया में 3.127 किलोग्राम हेरोइन और संदिग्ध बाइक जब्त की गई थी। बीएसएफ की जी ब्रांच के पास इसका इनपुट पहले से ही था, जिसे लेकर सर्विलांस सिस्टम को सक्रिय कर दिया गया था। दरअसल हेरोइन की यह खेप भेजने वाला पाक तस्कर नाजिर बताया जा रहा है। बीकानेर बॉर्डर के सामने इस धंधे में इसकी नई एंट्री है। पहली बार में ही इसने 15 करोड़ की हेरोइन भेजी, लेकिन बीएसएफ जी ब्रांच की सक्रियता के कारण पंजाब के तस्करों के हाथ नहीं लग सकी। हेरोइन के पैकेट पर कोड वर्ड में एन और शेर की मुहर है। पंजाब तस्करों के लिए इस बात का संकेत है कि माल नाजिर ने भेजा है।

सूत्रों का कहना है कि बीकानेर के सामने पाकिस्तान के बहावलपुर और श्रीगंगानगर के सामने भावलनगर एरिया में इन दिनों 12 हेरोइन तस्कर सक्रिय हैं। इनका सरगना मलिक चौधरी है, जिसने 2021 में बंदली सीमा चौकी पर करीब 300 करोड़ की हेरोइन पाइप के जरिए भेजी थी। दूसरे सरगना को महार नाम से जाना जाता है। अन्य पाक तस्कर इरफान, राजा, चाचा आदि इनके गुर्गे हैं। इनके नाम का पहला अक्षर ही इनका कोडवर्ड होता है। सीमा पार से यह तस्कर आए दिन ड्रोन से हेरोइन भेज रहे हैं, लेकिन हर बार माल पकड़ा नहीं जाता। सूत्रों का यहां तक कहना है कि इस धंधे में ईमानदारी इतनी है कि गलती से किसी दूसरे तस्कर को पैकेट हाथ लग जाए तो उसे उसके असली खरीददार तक पहुंचाता है।

बीएसएफ बीकानेर सेक्टर के 165 किलोमीटर बॉर्डर पर पिछले पांच साल में हेरोइन तस्करी की 14 वारदातें हो चुकी हैं, जिनमें से सबसे ज्यादा चार घटनाएं नेमीचंद बीओपी एरिया में हुई हैं। बॉर्डर पर बीएसएफ की बंदली, संग्रामपुर, केके टिब्बा, भगत, भागीरथी, दीपामाला, मानसरोवर, हिमगिरी, सखी और इंद्रजीत बीओपी पाक तस्करों को टारगेट एरिया बनी हुई हैं। पंजाब के तस्करों से वर्चुअल कॉल पर सेटिंग होने के बाद लोकेशन शेयर करने पर ड्रोन से पार्सल भेजे जाते हैं। ड्रोन जीपीएस कनेक्टेड होने के कारण हवा में करीब एक किमी ऊपर से पार्सल मैदानी इलाके में गिरा कर लौट जाता है। बीओपी से ढाई-तीन किमी की दूरी होने के कारण आम तौर पर बीएसएफ को इसकी भनक नहीं लग पाती। बॉर्डर इलाके के स्थानीय बेरोजगार और बदमाश प्रवृति के युवाओं को पैसे का लालच देकर पंजाब के तस्कर पार्सल उठवाते हैं। बॉर्डर पर आम तौर पर चार पंखे वाले ड्रोन का उपयोग हेरोइन भेजने में किया जा रहा है। यह कीमत में सस्ते होते हैं। गिर भी जाएं तो ज्यादा नुकसान नहीं होता। अब पता चला है कि पाक तस्कर छह पंखों वाले ड्रोन भी उड़ाने लगे हैं। हालांकि इसे अब तक ट्रेस नहीं किया गया है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि यह ड्रोन ज्यादा वजन ले जाने और दस किलोमीटर तक की दूरी तय करने में सक्षम है।

सचिव व बाबू रिश्वत लेते गिरफ्तार

भरतपुर, (निसं)। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी चौकी भरतपुर इकाई द्वारा कार्रवाई करते हुए संतोष कुमार सचिव एवं मोहित कुमार बाबू डीपीएम एसटीसी कॉलेज हलेना में 15 हजार रूपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस डॉ. रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि एसीबी चौकी भरतपुर को एक शिकायत इस आशय की मिली कि परिवादी की उपस्थिति कम दिखाकर उक्त उपस्थिति को पूर्ण करने व स्कॉलरशिप दिलाने के एवज में 25,500 रूपये रिश्वत की मांग रिश्वत की मांग कर परेशान कर रहा है, जिस पर एसीबी रेंज भरतपुर के उप महानिरीक्षक राजेश सिंह के सुपरविजन में एसीबी चौकी भरतपुर के अमित सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में आरोपी संतोष कुमार सचिव एवं मोहित कुमार बाबू डीपीएम एसटीसी कॉलेज में 15 हजार रूपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया है। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के सुपरविजन में आरोपी से पूछताछ तथा कार्रवाई जारी है।

राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव के तहत अजमेर में अंत्योदय कल्याण समारोह आयोजित

अजमेर, (कासं)। राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव के अन्तर्गत गुरूवार को अंत्योदय कल्याण समारोह का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भरतपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से संबोधित किया। वीसी के माध्यम से सीधा प्रसारण डॉ. भीमराव अंबेडकर मेडिकल कॉलेज सभागार में किया गया। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जिला स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित किया और विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को भी लाभान्वित किया गया।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को लाभान्वित किया।

- डबल इंजन की सरकार के माध्यम से जनहित के कार्यों की गति को बढ़ावा मिला है : दिया कुमारी

जिला स्तरीय समारोह में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि भारत को विश्व पटल पर पहचान मिली है। दुनियाभर में भारत को सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विकसित भारत बनाने के ध्येय को लेकर प्रतिबद्ध है। विकसित भारत की संकल्पना जल्द पूर्ण होगी। इसे पूर्ण करने में सरकार और समाज एक साथ लगे हुए हैं। इसके परिणाम भी सामने आ रहे हैं। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि केन्द्र के साथ-साथ राज्य सरकार भी देश को आगे बढ़ाने में लगी हुई है। राज्य सरकार राज्य को देश में अग्रणी राज्य बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसके लिए शिक्षा, सड़कें, स्वास्थ्य, पेयजल जैसी मूलभूत आवश्यकताओं को केन्द्र में रखकर कार्य किया है। गत एक वर्ष में आमजन से जुड़े कार्य किए गए हैं। प्रत्येक क्षेत्र में विकास किया जा रहा है। राज्य में मूलभूत सुविधाओं का वृहद स्तर पर विस्तार हुआ है। डबल इंजन की सरकार के माध्यम से जनहित के कार्यों की गति को बढ़ावा मिला। इससे गरीब वर्ग के जीवन में बदलाव आया है। आज के अन्त्योदय कल्याण समारोह के माध्यम से अन्तिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का कार्य किया गया।

जिला कलेक्टर लोक बन्धु ने बताया कि जिला स्तरीय कार्यक्रम में लाभार्थियों को लाभांवित किया गया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के माध्यम से 46 दृष्टिबाधित दिव्यांगों को स्मार्ट फोन वितरित किए गए। श्रवणबाधित 10 विद्यार्थियों को श्रवणयंत्र दिए गए। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के अन्तर्गत 5 लाभार्थियों को अगली किस्त जारी की गई। जिला परिषद के माध्यम से स्वामित्व योजना के अन्तर्गत 14 लाभार्थियों को प्रापर्टी पार्सल पट्टे दिए गए। श्रम विभाग की योजनाओं से लाभांवित 4 व्यक्तियों को प्रतिकात्मक चेक वितरित किए गए। इस अवसर पर देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भडाणा, विधायक अनिता भदेल एवं विरेन्द्र सिंह कानावत, उपमहापौर नीरज जैन, पूर्व जिला प्रमुख पुखराज पहाड़िया, अध्यक्ष जीतमल प्रजापत एवं रमेश सोनी, यूआईटी के पूर्व अध्यक्ष धर्मेश जैन, भारती श्रीवास्तव, अर्जुनसिंह रावत सहित अन्य मौजूद रहे।

फरार आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। चेचट पुलिस टीम ने मादक पदार्थ मामले में दो साल से फरार चल रहे वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया। कोटा ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 15 मई 2023 को मंडाना पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए कार में तलाशी के दौरान अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा 213 किलोग्राम सहित आरोपी भागीरथ को एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार किया था। पकड़े गये आरोपी भागीरथ ने चेचट पुलिस द्वारा किये गये अनुसंधान में अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा जिला मंदसौर के सुरजना जुना निवासी गोविन्द सिंह से लाना बताया तभी से आरोपी गोविन्द सिंह फरार चल रहा था। कोटा ग्रामीण एसपी ने बताया कि वांछित आरोपी की गिरफ्तारी के लिये चेचट थाने के उपनिरीक्षक थानाधिकारी राजेन्द्र प्रसाद के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। एसपी ने बताया कि गठित टीम ने दो साल से फरार चल रहे आरोपी की तलाश के लिये जगह-जगह दबिश दी और कार्यवाही करते हुए जिला मंदसौर के सुरजान जुना निवासी गोविंद सिंह को कोटा से डिटेन कर गिरफ्तार किया।

थ्रेसर मशीन से हाथ कटकर अलग हुआ था, 45 लाख देने होंगे

सांभरझील, (निसं)। ट्रैक्टर चालक की लापरवाही से काम करने वाले पीड़ित की ट्रैक्टर की थ्रेसर मशीन से दाहिना हाथ कटकर अलग होने के दुर्घटना के मामले में सैशन न्यायाधीश अरविंद कुमार जांगिड़ ने मोटर दुर्घटना वाद प्रकरण की सुनवाई करते हुए पीड़ित को 44 लाख 88 हजार की क्षतिपूर्ति राशि अदा किए जाने हेतु बीमा कंपनी को 3 सितंबर 2022 से वसूली तक 9 प्रतिशत वार्षिक दर से साधारण ब्याज ज्यादा करने की आदेश दिए हैं।

प्रार्थी पीड़ित के अधिवक्ता सुरेंद्र परिहार ने न्यायालय को बताया कि ट्रैक्टर में लगी थ्रेशर मशीन को चालक द्वारा अचानक गफलत व लापरवाही से चालू कर दिया जिसके कारण प्रार्थी का दाहिना हाथ कटकर अलग हो गया था। पीड़ित जगदीश प्रसाद पुत्र छोटूराम निवासी पणिहारी थाना फुलेला जिला जयपुर का रहने वाला है, इस मामले में उसकी ओर से फुलेरा थाने में मुकदमा दर्ज भी कराया गया था। प्रार्थी जगदीश प्रसाद को उसके बचत खाते में 24 लाख 88 हजार रुपए मय ब्याज सावधि जमा राशि 20 लाख रुपए मय ब्याज 3 वर्षीय अवधि के लिए विभाजित करने के न्यायालय ने बीमा कंपनी को आदेशित किया है।

चाइल्ड पोर्नोग्राफी कंटेंट विदेश भेजकर लाखों कमाये, एक गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। चाइल्ड पोर्नोग्राफी कंटेंट विदेश भेजकर लाखों रुपए कमाए। इस पैसे को महंगे होटलों में मौज-मस्ती और लड़कियों पर खर्च करता। पुलिस जब चेकिंग के लिए एक होटल में पहुंची तो संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर युवक को पकड़ लिया। पूछताछ में युवक ने चौंकाने वाला खुलासा किया।

श्रीगंगानगर एसपी गौरव यादव ने बताया कि पुलिस ने केसरीसिंहपुर निवासी सौरभ मेहरा (22) को गिरफ्तार किया है। मोबाइल की तलाशी और पूछताछ करने पर आरोपी की पूरी कहानी सामने आ गई। युवक इंस्टाग्राम और टेलीग्राम के जरिए पोर्नोग्राफिक सामग्री के लिंक मंगवाता था। इन लिंक को विदेशी ग्राहकों को भेजकर डॉलर में पेमेंट लेता था। भुगतान के लिए पेपैल का इस्तेमाल करता था। एसपी गौरव यादव ने बताया कि आरोपी सौरभ मेहरा श्रीगंगानगर में एक होटल में ठहरा हुआ था। पुरानी आबादी थाना प्रभारी ज्योति नायक होटलों की चेकिंग पर निकली थी। एक होटल में पहुंचे तो युवक की गतिविधि संदिग्ध लगी। थाना प्रभारी को शक हुआ तो उसके मोबाइल की जांच की गई तो उसमें कुछ ट्रांजैक्शन चल रहे थे। इस बारे में पूछा तो युवक सही जवाब नहीं दे पाया। पुलिस युवक को थाने ले आई। एसपी ने बताया कि आरोपी सौरभ टेलीग्राम पर 'मेगा लिंक्स' नाम से आईडी बनाकर विदेशी ग्राहकों को चाइल्ड पोर्नोग्राफी कंटेंट भेजता था। आरोपी अपने मोबाइल से यह काम करता था। वह इंस्टाग्राम और टेलीग्राम के जरिए अश्लील सामग्री के लिंक मंगवाता था।

एसपी गौरव यादव ने बताया कि आरोपी विदेशी ग्राहकों को ये लिंक भेजकर डॉलर में पेमेंट लेता था। पुलिस ने आरोपी का मोबाइल जब्त कर लिया है। उसके खिलाफ आईटी और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। एसपी ने बताया कि आरोपी पोर्नोग्राफी लिंक भेज रहा था। युवक की इस हरकत की जानकारी परिजनों को नहीं थी। पुरानी आबादी थाना प्रभारी ज्योति नायक ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि युवक जिन देशों में पोर्नोग्राफी प्रतिबंधित नहीं है, वहां के लोगों से संपर्क कर उन्हें पैसे भेजता था और वहां से भी पोर्नोग्राफी सामग्री मंगवाता था। अब तक उसने कितने लोगों से पैसे ऐंठे, उसे खुद भी याद नहीं है। आरोपी पिछले 2 साल से यह पोर्नोग्राफी लिंक भेज रहा था। युवक की इस हरकत की जानकारी परिजनों को तब तक आरोपी के पेज पर कई विदेशी और राज्य के लोग जुड़ चुके थे।

हमले के दो आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। महावीर नगर पुलिस टीम ने महावीर नगर इलाके में पेट्रोल पम्प कर्मचारियों के ऊपर किये गये हमले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

महावीर नगर थानाधिकारी रमेश कविया ने बताया कि 22 मार्च को फरियादी ने रिपोर्ट दी थी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा था कि मोटरसाईकिल सवार ने उसके एक साथी कर्मचारी शंभु सिंह से 99 रूपये का पेट्रोल बाइक में डलवाया और उससे एक रूपया मांग रहा था। जिस पर उसने व शंभूसिंह ने उसको एक रूपया नहीं होने की बात कहकर 10 रूपये दिये जिस पर उसने उनसे अपशब्द बोले और विवाद होने पर अपने अन्य साथियों को मौके पर बुलाकर उन दोनों पर हमला कर दिया। थानाधिकारी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर मुगेना निवासी महेन्द्र कुमार मीना और रंगबाड़ी निवासी भुपेन्द्र मीना को गिरफ्तार किया।

हत्या के प्रयास में तीन माह से फरार आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। अनंतपुरा पुलिस टीम ने हत्या के प्रयास में तीन माह से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी ने पुलिस टीम को देखकर भागने का प्रयास किया और इस प्रयास के दौरान आरोपी फॉरलेन पुलिया से कूदा जिससे उसके पांव में भी चोट लगी। पुलिस टीम ने आरोपी का पीछा कर आरोपी को दस्तयाब कर इलाज कराकर प्रकरण में गिरफ्तार किया।

शहर पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि फरियादी ने 2 जनवरी को अनंतपुरा थाने में रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि उसके भाई अजीत पर तुल्लापुरा निवासी वीरेन्द्र उर्फ बिन्दा ने जान से मारने की नियत से चाकू से हमला किया। शहर एसपी ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिये अनंतपुरा थानाधिकारी भुपेन्द्र सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। शहर एसपी ने बताया कि टीम को फरार चल रहे आरोपी की झालावाड़ रोड़ कर्णेश्वर महादेव मंदिर की तरफ होने की सूचना मिली। शहर एसपी ने बताया कि सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची, पुलिस टीम को देखकर आरोपी ने भागने का प्रयास किया और फॉरलेन पुलिया से कूद गया जिसका पीछा कर पुलिस टीम ने आरोपी को दस्तयाब कर उसका इलाज कराकर प्रकरण में पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया। पकड़ा गया आरोपी रेलवे कॉलोनी थाने का शातिर हार्डकोर अपराधी है। पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान जारी है।

- पुलिस को देख आरोपी ने भागने का प्रयास किया

ट्रैक्टर चोर गिरफ्तार : कोटा के अनंतपुरा पुलिस टीम ने ट्रेक्टर चोरी के एक वर्ष पुराने प्रकरण का खुलासा करते हुए ट्रैक्टर चुराने वाले वांछित चल रहे चोर को गिरफ्तार किया है। अनंतपुरा थानाधिकारी भुपेन्द्र सिंह ने बताया कि दादाबाड़ी पुलिस टीम ने इलाके में गश्त के दौरान मोटरसाईकिल चोरी की फिराक में घूम रहे एक व्यक्ति को संदेह होने पर डिटेन कर थाने लाकर पूछताछ की गई तो व्यक्ति धनेश्वर निवासी विनोद कुमार ने पूछताछ में अनंतपुरा में ट्रैक्टर चोरी की वारदात को करना स्वीकार किया। पूछताछ के बाद आरोपी विनोद को गिरफ्तार कर अनंतपुरा पुलिस को सौंपा। थानाधिकारी ने बताया कि आरोपी से पूछताछ व सीसीटीवी फुटैज के आधार पर ट्रैक्टर चोरी के एक वर्ष पुराने प्रकरण का खुलासा कर विनोद कुमार को गिरफ्तार किया गया।

लाखों के जेवर लेकर पुत्र के साथ विवाहिता लापता

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ थाना पुलिस ने गुरुवार को ग्रामीण क्षेत्र के एक व्यक्ति की रिपोर्ट पर 30 वर्षीय विवाहिता द्वारा घर से ससुराल जाने की कहकर लाखों रुपए के सोने-चांदी के जेवरात सहित अपने 8 वर्षीय पुत्र को साथ लेकर लापता होने पर गुमशुदगी का मामला दर्ज किया है।

राजगढ़ थानाधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि थाने में एक व्यक्ति ने गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि 25 मार्च को उसकी 30 वर्षीय बहन अपने 8 वर्षीय पुत्र को लेकर अपने गाँव से अपनी ससुराल जाने के लिए घर से निकली थी, जो शाम तक अपनी ससुराल नहीं पहुंची। उन्होंने अपनी बहन के ससुराल व अपनी समस्त रिश्तेदारियों तथा जान पहचान वालों से उसके बारे में काफी पूछताछ की परन्तु आज तक उसका कोई पता नहीं लग पाया है।

अवैध हथियार सहित आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। अयाना पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए अवैध देशी टोपीदार बंदूक सहित आरोपी को गिरफ्तार किया है।

कोटा ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि अवैध हथियारों की रोकथाम व अपराधियों की धरपकड़ के लिये लगातार अभियान चलाया जा रहा है। कोटा ग्रामीण एसपी ने बताया कि इटावा वृताधिकारी शिवम् जोशी के सुपरविजन एवं अयाना थाने के उपनिरीक्षक थानाधिकारी उम्मेद सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। कोटा ग्रामीण एसपी ने बताया कि अयाना थाने के उपनिरीक्षक थानाधिकारी उम्मेद सिंह ने मय जाप्ता इलाके में कार्रवाई करते हुए एक जने से अवैध देशी टोपीदार बंदूक बरामद की। पुलिस टीम ने मौके पर आर्म्स एक्ट में कार्रवाई करते हुए रूण्डी गांव थाना अयाना निवासी मुकेश (42) को गिरफ्तार किया। पकड़े गये आरोपी से अवैध हथियार के बारे में अनुसंधान किया जा रहा है।

अवैध शराब बिक्री का गोरखधंधा

आसींद, (निसं)। एक ओर प्रशासन आपराधिक तत्वों पर लगाम करने के लिए 24 घंटे पैनी नजर से सुरक्षा इंतजामों में लगा रहता है लेकिन यह सुरक्षा इंतजाम तब फेल हो जाते हैं जब आबकारी नीति के विपरीत रात को 8 बजे के बाद भी आसींद कस्बे की शराब की दुकानों पर धड़ल्ले से शराब बिक्री होती है, वैसे तो आसींद कस्बे में आवंटित दुकानों की संख्या नगण्य है लेकिन इन आवंटित दुकानों की आड़ में जगह-जगह ब्रांच खोलकर अवैध शराब बिक्री का खेल जमकर खेला जा रहा है। रात के अंधेरे के साथ जैसे-जैसे रात बढ़ती है शराब की कीमत आसमान छु जाती है । प्रिंट रेट से कई गुना अधिक इन आबकारी ठेकेदारों द्वारा वसूल की जा रही है कभी-कभी तो इस अवैध वसूली के चलते शराब की दुकानों पर प्रिंट रेट से अधिक राशि वसूलने को लेकर बड़े विवादों जैसी स्थितियां उत्पन्न हो जाती है।

वहीं दूसरी और पूरी रात शराब बिकने के कारण आसपास के लोगों को किसी बड़े अपराध के घटित होने का डर हमेशा सताए रहता है आसींद बस स्टैंड पुलिस चौकी के 100 मीटर परिधि क्षेत्र में दो ब्रांच संचालित हो रखी है जिस पर हो रहे अवैध शराब गोरख धंधे को आसींद पुलिस प्रशासन द्वारा नजर अंदाज किया जा रहा है।

एनआईसीयू में डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ के बीच मारपीट

- सीसी टीवी कैमरे में कैद हुई घटना, मेडिकल कॉलेज प्रचार्य ने किया जांच कमेटी का गठन

एनआईसीयू में रेजीडेंट डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ आपस में उलझते हुए तथा मेडिकल कॉलेज प्राचार्य, अस्पताल अधीक्षक और वरिष्ठ डॉक्टर व नर्सिंग अधीक्षक से चर्चा की।

अजमेर, (कासं)। संभाग के सबसे बड़े जवाहर लाल नेहरू अस्पताल में शिशु रोग विभाग के एनआईसीयू वार्ड में गुरुवार सुबह रेजीडेंट डॉक्टर और मेल नर्स के बीच मारपीट की घटना सामने आई है। यह घटना वार्ड में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। वहीं मामले को लेकर मेडिकल कॉलेज प्राचार्य ने जांच कमेटी का गठन कर दिया है। घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल प्रशासन हरकत में आया। प्राचार्य डॉ. अनिल सामरिया ने बताया कि अस्पताल में इस तरह की घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। दोनों पक्षों की शिकायत के आधार पर वरिष्ठ डॉ. संजीव माहेश्वरी के नेतृत्व में जांच कमेटी गठित कर दी गई है और जल्द रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए हैं।

रेजीडेंट डॉक्टर ने मेल नर्स पर लगाए आरोप : रेजीडेंट डॉ.चंद्र प्रकाश ने बताया कि वे सुबह अपनी ड्यूटी पर पहुंचे थे और एक शिशु से संबंधित कार्य के लिए नर्सिंग स्टाफ को निर्देश दिए थे। स्टाफ के अनसुना करने पर वे नर्सिंग इंचार्ज से शिकायत करने गए। इस दौरान मेल नर्स सुरेश और विनोद वहां मौजूद थे। डॉ. चंद्र प्रकाश ने बताया कि सुरेश ने अभद्रता की और काम करने से इनकार कर दिया। इसके बाद धक्का-मुक्की शुरू हो गई और सुरेश ने उन पर चप्पल और लोहे की ट्रे से हमला कर दिया। अन्य नर्सिंग स्टाफ ने भी सुरेश का साथ दिया और डॉक्टर को पकडक़र पीटा। उन्होंने कहा कि वे आरोपी नर्सिंग कर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया जाएगा। मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. सामरिया को लिखित शिकायत दी है।

नर्सिंग स्टाफ ने रेजीडेंट पर लगाया अभद्र व्यवहार का आरोप : वहीं नर्सिंग स्टाफ का कहना है कि डॉ. चंद्र प्रकाश ने उनसे अनुचित तरीके से व्यवहार किया। नर्सिंग कर्मी सुरेश चौधरी ने बताया कि सुबह साढ़े आठ बजे ड्यूटी पर आया और एनआईसीयू में स्टाफ की ड्यूटी लगा रहे थे। नर्सिंग स्टेशन पर डॉ. चंद्र प्रकाश आए और नर्सिंग प्रभारी से कहा कि सिर पर कैप और मास्क कहा है, इस बात पर विवाद हो गया। चौधरी का आरोप है कि उन्होंने नर्सिंग कर्मियों के साथ गाली गलौज की। जिससे विवाद की स्थिति बनी। नर्सिंग एसोसिएशन ने डॉक्टरों के रवैये पर आपत्ति जताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है।

रेजीडेंट डॉक्टर्स यूनियन ने की निलंबन की मांग : घटना के बाद रेजीडेंट डॉक्टर्स और नर्सिंग स्टाफ एकजुट हो गए और दोषियों पर कार्रवाई की मांग करने लगे। प्राचार्य डॉ. अनिल सामरिया और अधीक्षक डॉ. अरविंद खरे मौके पर पहुंचे और दोनों पक्षों से बातचीत की। पहले नर्सिंग स्टाफ से घटना की जानकारी ली गई, फिर डॉक्टरों से उनकी बात सुनी गई।

रेजीडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. दिलराज ने बताया कि उनके साथी डॉक्टर के साथ मारपीट की गई, जो निंदनीय है। उन्होंने आरोपी मेल नर्स सुरेश को निलंबित करने की मांग की।

इनका कहना है : जांच पूरी होने के बाद ही दोषी के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। ऐसे संवेदनशील स्थान पर इस तरह की घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण हैं। सीसी टीवी फुटेज के आधार पर जांच की जा रही है।

-डॉ. अनिल सामरिया,
प्राचार्य जेएलएन मेडिकल कॉलेज अजमेर

सार-समाचार

महिलाओं ने झूलेलाल के भजन प्रस्तुत किये

मदनगंज में महिलाओं ने झूलेलाल के भजन प्रस्तुत किये

मदनगंज-किशनगढ़, (निस)। चेटीचण्ड पखवाड़ा महोत्सव पर झूलेलाल भगवान के भजन गाओ महिला प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। सिंधी कालोनी स्थित शिवालय में समाज की महिलाओं ने भगवान झूलेलाल के एक से बढ़कर एक सुमधुर भजन प्रस्तुत कर आस्था व्यक्त की। सिन्धु नवयुवक संघ द्वारा झूलेलाल महिला संगीत समिति के तत्वावधान में हुआ। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रही दिव्या मूलचंदानी, द्वितीय कोमल देवलानी व तृतीय स्थान पर रोशनी शिवनानी, शमा शामनानी, दिपा मंगलानी विजेता रही। मुख्य अतिथि नेना पंजवानी को दुपट्टा पहना माला पहना कर सम्मानित किया। मंच संचालन तनू मेघानी ने किया।

साफ सफाई के लिये जागरूक किया

मदनगंज-किशनगढ़,(निस)। नगर परिषद क्षेत्र में आयुक्त सीता वर्मा के निर्देशानुसार आमजन को सफाई व कचरा कलेक्शन व घर घर कचरा संठाहण के साथ गिला सूखा कचरा सेठीगेशन कंपोस्टिंग के संबंध में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूकता का संदेश दिया। अजमेर से आए गोपाल बंजारा की टीम ने अठासेन सर्किल, राजकीय यज्ञनारायण हॉस्पिटल के बाहर, पुराना बस स्टैंड, नया बस स्टैंड, सब्जी मंडी, अंबेडकर सर्किल के पास एवं राजकीय गवर्नमेंट स्कूल के बाहर लोगो को सफाई के लिये जागरूक किया। सहायक अभियंता विष्णु आडाणीय, स्वास्थ्य निरीक्षक मनोज रांणवा, मुकेश लखन, जमादार चांदमल, राहुल, दिनेश, राकेश आदि उपस्थित रहे।

रसद विभाग ने किए 5 सिलेण्डर जब्त

अजमेर (कासं)। रसद विभाग द्वारा घरेलू एलपीजी सिलेण्डरों के अवैध उपयोग की सूचना पर मांगलियावास क्षेत्र में घरेलू गैस सिलेण्डरों की धरपकड़ का अभियान चलाया गया। गुरुवार को जांच दल द्वारा 5 एलपीजी घरेलू गैस सिलेण्डर जब्त किए गए। जिला रसद अधिकारी नीरज कुमार जैन ने बताया कि गौड़ मिष्ठान भण्डार मांगलियावास से 4 घरेलू एलपीजी सिलेण्डर तथा चाय का ठेला मांगलियावास से एक घरेलू एलपीजी सिलेण्डर जब्त किए गए। इन फर्मो का यह कृत्य एलपीजी ऑर्डर-2000 का उल्लंघन है। साथ ही ये प्रकरण ईसी एक्ट 1955 की धारा 6 ए में जिला कलक्टर के न्यायालय में प्रस्तुत किए जाएंगे। जांच दल में प्रवर्तन अधिकारी सुनिता शर्मा, प्रवर्तन निरीक्षक महेन्द्र कुमार यादव, श्री मुकेश कुमार बुगालिया एवं राहुल वेदवाल रहे।

131 रोगियों ने लिया शिविर का लाभ

अजमेर (कासं)। विश्व विख्यात संत स्वामी श्रीकृष्णानंद जी महाराज की पावन प्रेरणा से भारतीय सेवा समाज राजस्थान डालमिया सेवा ट्रस्ट दिल्ली श्रीपूज्य पारब्रह्म ट्रस्ट अजमेर एवं सीनियर सिटीजन समूह अजमेर के माध्यम से धोलाभाटा स्थित मन्ना हवेली में विशाल निःशुल्क शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर का शुभारंभ भगवान श्री पूज्य पारब्रह्मदेव एवं पूज्य स्वामी जी के चित्र पर दीप प्रज्वलन से हुआ। इस अवसर पर श्री पूज्य पारब्रह्म ट्रस्ट के विनोद विधानी ने पूज्य स्वामी जी के सेवा कार्यों को जनमानस तक पहुंचाने के लिए संकल्प जाहिर किया।

इस पुनीत अवसर पर संस्थान प्रभारी कैलाश सिंह रत्नू ने सेवा उद्बोधन में पूज्य स्वामी जी के विश्व स्तरीय मानव सेवार्थ प्रकल्पों की जानकारी दी एवं प्रख्यात समाजसेवी उद्योगपति पूर्व सांसद संजय डालमिया के सामाजिक सरोकारों का वर्णन किया। इस अवसर पर सीनियर सिटीजन समूह के वरिष्ठ समाजसेवी के के गौड, बी के चौहान की सेवा समर्पित टीम ने शिविर में उपस्थित सभी आने वाले लोगों का अभिनंदन करते हुए शिविर का ज्यादा से ज्यादा लाभ लेने की अपील की।

प्रख्यात चिकित्सक डॉक्टर नमन निभेरिया की टीम ने 131 रोगियों की जांच कर एक माह की दवा श्री पूज्य पारब्रह्म ट्रस्ट द्वारा निशुल्क प्रदान की गई।

भामाशाह कोडवानी सम्मानित

मदनगंज-किशनगढ़, (निस)। सिंधु नवयुवक संघ की और से आठ दिवसीय चेटीचण्ड महोत्सव विभिन्न कार्यक्रमो के साथ उल्लास से मनाया गया। होटल एन के हेलीमेंक्स में सुंदरकांड का भव्य आयोजन हुआ। रामकृष्ण सेवा समिति ने टीम के संग सुन्दरकांड पाठ किया। निर्मल कोडवानी व योगेश रामनानी द्वारा सुन्दर कांड पाठ सहित अल्पाहार आदि की व्यवस्था की गई। युवा समाजसेवी गिरधारी अमरवाणी ने बताया की सिंधियत मेले में आनंद सत्संग मण्डल परिवार दुबई व किशोर कोडवानी के मौजूद नहीं रहने पर उनके भाई निर्मल कोडवानी, कमलेश कोडवानी एंव ज्योति कोडवानी को मोमेंटो देखकर माल्यार्पण करके सामनित किया। अध्यक्ष अशोक फतनानी, सचिव करण मेंघानी, उपाध्यक्ष जितेन्द्र कोरानी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

आयोग कर्मियों ने काली पट्टी बांध कर जताया रोष

- रिक्त पद नहीं भरे तो आंदोलन की दी चेतावनी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग में रिक्त पदों पर भर्ती की मांग को लेकर गुरुवार को आयोग कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने रिक्त पदों को शीघ्र भरने की मांग की। मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। समिति के अध्यक्ष दिवाकर शर्मा ने बताया कि 15 दिन पहले ही आयोग प्रशासन को इस संबंध में आंदोलन की चेतावनी दी गई थी, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि आयोग में रिक्त पदों की समस्या लंबे समय से बनी हुई है, जिससे कर्मचारियों को अतिरिक्त कार्यभार उठाना पड़ रहा है।

काम के बोझ में दबे कर्मचारी: उन्होंने बताया कि खाली पदों की वजह से काम का अतिरिक्त दबाव बढ़ रहा है, जबकि इस वर्ष आयोग रिकॉर्ड परीक्षाएं आयोजित करने जा रहा है। आयोग कर्मचारियों ने इस मुद्दे को लेकर संघर्ष समिति का गठन किया है। शर्मा ने बताया कि इस वर्ष आयोग 152 परीक्षाएं आयोजित करने जा रहा है, जो 80 दिनों तक चलेंगी। ऐसे में कर्मचारियों पर काम का दबाव और बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि यदि उनकी मांगों का जल्द समाधान नहीं दिया गया तो आगामी तीन दिनों तक कर्मचारी काली पट्टी बांधकर काम करेंगे।

जलदाय मंत्री का किया अभिनंदन

मेड़ता सिटी, (निसं)। जलदाय विभाग मंत्री व नागौर जिला प्रभारी कन्हैया लाल चौधरी का मेड़ता हाइवे कैफे भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर मंत्री चौधरी ने कहा राजस्थान सरकार जल मिशन योजना के साथ कई कार्य कर रही हे। वही गर्मी के दिनों में पानी की समस्या ना हो इसको लेकर भी सरकार कई प्रोजेक्ट के साथ काम कर रही हे। इस अवसर पर मेड़ता जनता प्रधान संदीप चौधरी, उप जिला प्रमुख शोभाराम जयपाल, महेंद्र शर्मा, नारायण पारिक, पुसादास वैष्णव, महेश बाला सेन, केके दय्या, शोभाग पारिक, नरेंद्र लाहोटी, रामेश्वर घांची, धनपत सिंघवी, इस्लाम पठान सहित भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत एवं अभिनंदन किया।

आईएएस देवेश देवल को केंद्र में मिली प्रतिनियुक्ति

देवेश देवली

अजमेर, (कासं)। 2004 बैच के सीनियर आईएएस अधिकारी देवेश देवल को भारत सरकार के मिनिस्ट्री आफ पर्सनल पब्लिक गवर्नेंस एंड पेंशन एंड पेंशनर्स विभाग ने मिनिस्ट्री ऑफ़ फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री विभाग में संयुक्त सचिव पद पर 5 वर्ष के लिए प्रतिनियुक्त किया है। देवल अजमेर के रहने वाले हैं इन्होंने स्कूल शिक्षा सेंट एंस्लम स्कूल में की साथ ही कॉलेज शिक्षा भी अजमेर के राजकीय महाविद्यालय में की है। देवल इससे पूर्व आरएएस एवं आईपीएस अधिकारी के पद पर कार्यरत रह चुके हैं। देवल के पिता एनआर देवल संयुक्त निदेशक कॉलेज शिक्षा विभाग से सेवानिवृत हैं।

नाम परिवर्तन

मेरे पति के आर्मी न. 15175245Y रैंक - HAV (RST) नाम - DIWAKAR BABU ARLI है। यह कि मेरे पति के आर्मी सर्विस रिकॉर्ड में मेरा नाम TRIVENI दर्ज है जो कि गलत है। जबकि भविष्य में मुझे मेरे सही व वास्तविक नाम TRIVENI ARLI से जाना जाये ।

नाम परिवर्तन

मेरे पति के आर्मी न. JC-293800M रैंक- NB SUB (DMT) नाम- SUSHIL KUMAR SINGH है। यह कि मेरे पति के आर्मी सर्विस रिकॉर्ड में मेरा नाम ABHA DEVI दर्ज है जो कि गलत है। जबकि भविष्य में मुझे मेरे सही व वास्तविक नाम ABHA SINGH से जाना जाये ।

आम सूचना

हमारी फर्म गंगवाल स्टोनेक्स ई 72-73 IVth फेस पर्यावरण मार्ग रिको, मदनगंज-किशनगढ़ 305801 जिला अजमेर इस फर्म में (1) प्रेमचंद गंगवाल (2) रमेशचंद गंगवाल (3) भंवरी देवी (4) सुरेखा जैन (5) अमित गंगवाल (6) धीरज गंगवाल पार्टनर थे। इनके साथ ही आज दिनांक 21 मार्च 2025 को फर्म में 8 नये पार्टनर जोड़े है। फर्म में टोटल 14 पार्टनर हो गये है। नये पार्टनर में (1) सुभाष चंद गंगवाल (2) राकेश गंगवाल (3) विकास गंगवाल (4) आशीष गंगवाल (5) एकता जैन (6) अमिता जैन (7) अनीता गंगवाल (8) रचना जैन है। इस संबंध में किसी व्यक्ति संस्था को आपत्ति हो तो 7 दिवस में अपनी आपत्ति दर्ज कराये, बाद मियाद कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।

– गंगवाल स्टोननेक्स, मदनगंज-किशनगढ़

अजमेर जिला क्रिकेट संघ में बनी एडहॉक कमेटी

अजमेर, (कासं)। अजमेर जिला क्रिकेट संघ में एडहॉक कमेटी बना दी गई है। रजिस्ट्रार संस्थाएं अजमेर ने इस आशय के आदेश जारी किए हैं। विवेकानन्द क्लब के गोविन्द स्वरूप उपाध्याय को एडहॉक कमेटी का संयोजक बनाया गया है। कमेटी के अन्य सदस्यों में मेलेनियम क्लब के अनीश मोयल, डीबीएन क्लब के गजेन्द्र शर्मा, रूजपूताना क्लब के प्रणय प्रताप सिंह और विक्रांत क्लब के लोकेश कुमार शर्मा शामिल हैं। एडहॉक कमेटी का कार्यकाल अधिकतम तीन माह का होगा। इस दौरान तदर्थ समिति जिला संघ की सदस्यता, राजस्थान उच्च न्यायालय और अपीलीय अधिकारी के आदेशानुसार राजस्थान स्पोर्ट्र्स एक्ट के तहत तीन माह के भीतर जिला संघ के चुनाव कराएगी।

गिव-अप अभियान 30 अप्रैल तक

अजमेर, (कासं)। राज्य सरकार द्वारा गिव अप अभियान की तिथि को अब बढ़ाकर 30 अप्रैल कर दिया गया है। जिला रसद अधिकारी नीरज कुमार जैन ने बताया कि खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा गिव-अप अभियान प्रारम्भ किया गया था। इस अभियान की अवधि को अब विभाग द्वारा 30 अप्रैल तक बढ़ाया जाकर एक अंतिम अवसर प्रदान किया गया है। इस अभियान के अन्तर्गत खाद्य सुरक्षा सूची की निष्कासन श्रेणी में सम्मिलित परिवार अपना नाम स्वैच्छा से हटा सकते हैं। इन परिवारों में कोई भी एक सदस्य सरकारी, अर्द्धसरकारी, स्वायत्तशाषी संस्थाओं में नियमित कर्मचारी एवं अधिकारी हो अथवा एक लाख रूपये वार्षिक से अधिक पेंशन प्राप्त करता हो अथवा जिसके सभी सदस्यों की कुल आय एक लाख रूपये वार्षिक से अधिक हो या निजी चौपहिया वाहन धारक या आयकरदाता हो सम्मिलित है। इनको प्रेरित कर खाद्य सुरक्षा सूची से अपना गाम स्वैच्छा से पृथक करवाए जाने के लिए आवेदन करवाया जा रहा है। जिला रसद अधिकारी (द्वितीय) में अब तक कुल 1875 आवेदकों के 7110 परिवार सदस्यों द्वारा गिव-अप अभियान के अन्तर्गत आवेदन कर अपना नाम खाद्य सुरक्षा सूची से स्वेच्छा से हटवा चुके है। निष्कासन श्रेणी में होते हुए भी गिव-अप अभियान के तहत नाम नहीं हटवाने के लिए आवेदन पत्र प्रस्तुत नहीं करने वाले 140 व्यक्तियों को जिला रसद अधिकारी (द्वितीय) द्वारा नोटिस जारी किये जा चुके है। अपात्र लाभार्थी द्वारा गिव-अप अभियान के अन्तर्गत अपना नाम हटवाने के लिए आवेदन प्रस्तुत नहीं करने वालों के विरूद्ध कडी कानूनी कार्यवाही की जाकर बाजार दर से वसूली की जाएगी।

महिला अधिकारी से अभद्रता का आरोप

- कर्मचारियों ने किया हंगामा

अजमेर, (कासं)। अजमेर के राजस्व मंडल में महिला अधिकारी द्वारा मंडल के आरएएस अधिकारी पर अभद्रता और धमकी देने का आरोप लगाने मामला सामने आया है। गुरुवार को मामले को लेकर राजस्व मंडल के कर्मचारियों ने कार्य बहिष्कार कर विरोध प्रदर्शन किया और अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही की मांग की। मांग नहीं माने जाने पर हड़ताल की घोषणा कर दी। राजस्व बार एसोसिएशन ने भी इस हड़ताल का समर्थन किया है।

पीडित् अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी शीला माथुर ने बताया कि घटना बुधवार दोपहर की है, जब वह अपने कार्य में व्यस्त थीं, तभी अतिरिक्त रजिस्ट्रार हेमंत स्वरूप माथुर उनके पास आए और अभद्रता करने लगे। महिला अधिकारी ने आरोप लगाया कि आरएएस अधिकारी ने उन्हें धमकाते हुए कहा, नौकरी करना सिखा दूंगा, रिटायरमेंट खराब कर दूंगा और चार्जशीट दे दूंगा। इस धमकी के बाद से वह मानसिक अवसाद में है।

इस घटना के विरोध में गुरुवार को राजस्व मंडल के कर्मचारियों ने कार्य बहिष्कार किया और अध्यक्ष हेमंत गेरा को ज्ञापन सौंपते हुए आरोपी अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। कर्मचारियों ने नारेबाजी करते हुए दोषी अधिकारी पर सख्त कार्रवाई की मांग की और कहा कि यदि न्याय नहीं मिला तो वे अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाएंगे।

अनिश्चितकालीन हड़ताल की दी धमकी: बार एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह राजावत ने कहा कि पहले से ही कर्मचारियों की कमी है, ऐसे में अनुचित दबाव बनाना गलत है। राजस्व मंडल कर्मचारी समिति के अध्यक्ष अजय गुर्जर ने कहा कि यदि आरोपी अधिकारी के खिलाफ सख्त कदम नहीं उठाए गए तो अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाएंगे। हालांकि अतिरिक्त रजिस्ट्रार हेमंत स्वरूप माथुर ने सभी आरोपों को निराधार बताया और कहा कि उन्होंने किसी भी प्रकार की अभद्रता नहीं की।

शहरी सड़क एवं शहरी आयुष्मान आरोग्य केंद्र का फिता काटकर विधायक सांखला ने किया उद्घाटन

शहरी सड़क एवं शहरी आयुष्मान आरोग्य केंद्र का फीता काटकर विधायक सांखला ने उद्घाटन किया ।

आसीन्द, (निसं)। भाजपा सरकार के द्वारा शहरी विकास हेतु सड़कों की सौगात के तहत आसींद कस्बे के बड़े मंदिर से ब्राह्मणों का मोहल्ला होते हुए पथवारी तक सड़क मार्ग का शिलान्यास कार्यक्रम बड़े मंदिर चौराहे पर आयोजित हुआ कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक जबर सिंह सांखला नगर पालिका अध्यक्ष देवीलाल साहू, भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष फौजमल गुर्जर भाजपा नगर अध्यक्ष अनिल सिंह तंवर, पार्षद सत्येंद्र सिंह चौहान, भाजपा पूर्व जिला उपाध्यक्ष तेजवीर सिंह चुंडावत की मौजूदगी में उक्त सड़क मार्ग के शिलान्यास कार्यक्रम का विधिवत रूप से पूजा अर्चना कर शिलान्यास किया गया। वहीं इस दौरान विधायक जबर सिंह सांखला ने संबोधित करते हुए बताया कि प्रदेश की भाजपा सरकार के यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सानिध्य में शहरी विकास हेतु सड़कों की सौगात के तहत शिलान्यास कार्यक्रम आयोजन किया गया वही आसींद नगर पालिका क्षेत्र के गोविंदपुरा में शहरी आयुष्मान आरोग्य केंद्र का विधायक जबर सिंह सांखला ने गणमान्य अतिथियों की मौजूदगी में फिता काटकर उद्घाटन किया।शहरी आयुष्मान आरोग्य केंद्र के उद्घाटन के दौरान विधायक सांखला ने संबोधित करते हुए बताया कि 15 महीने के कार्यकाल में भाजपा सरकार के द्वारा जारी 2 बजट में विधानसभा क्षेत्र आसींद में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं हुई एवं उन कार्यों का धरातल पर कार्य जारी है । जिसके तहत विधानसभा क्षेत्र में ब्राह्मणों की सरेडी में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में क्रमोन्नत किया गया। बदनोर क्षेत्र के भादसी में सब सेंटर को सीएचसी में क्रमोन्नत किया गया ।दो सब सेंटर क्षैत्र के मरेवडा एवं रामपुरिया नारडा में बनाए गए । शिक्षा के क्षेत्र में खेल स्टेडियम की महिती आवश्यकता के तहत आसींद नगर में खेल स्टेडियम की घोषणा के साथ ही बदनोर में महाविद्यालय ,आसींद महाविद्यालय को यूजी से पीजी में क्रमोन्नत तथा हाल ही में आसींद कस्बे के अंतर्राष्ट्रीय तीर्थ स्थल सवाई भोज मंदिर स्थित प्रेम सागर तालाब के सौंदर्य करण हेतु राजस्थान सरकार की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने प्रेम सागर तालाब के सौंदर्य करण हेतु 25 करोड़ की घोषणा के साथ ही विभिन्न अन्य आगामी योजनाएं प्रस्तावित है । शहरी आयुष्मान आरोग्य योजना के बारे में संबोधित करते हुए बताया कि शहरी आयुष्मान आरोग्य योजना केंद्र खुलने से नगर पालिका क्षेत्र के गोविंदपुरा वासीयो को प्राथमिक स्वास्थ्य की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी जिसमें चिकित्सक के साथ नर्सिंग स्टाफ , एवं आवश्यक दवाइयां एवं जांच परामर्श आदि उपलब्ध होंगे। नगर पालिका अध्यक्ष देवीलाल साहू ने बताया कि विधायक जबर सिंह सांखला के अथक प्रयासों से आसींद क्षेत्र को विभिन्न सौगातें मिली है ।वहीं शहरी और आयुष्मान आरोग्य केंद्र पर विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी जांच होने से इलाज हेतु त्वरित समाधान होगा।

ग्रामीणों का उपखंड कार्यालय के बाहर विरोध

आसीन्द, (निसं)। आसींद कस्बे के राजस्व गांव दौलतगढ़ के ग्रामीणों ने गुरुवार दिन में 12 बजे उपखंड कार्यालय पर पहुंचकर विरोध विरोध प्रदर्शन करते हुए उपखंड अधिकारी भरत कुमार गुर्जर के नाम ज्ञापन सौंपा एवं ज्ञापन में बताएं कि दौलतगढ़ पटवार हलका दौलतगढ़ तहसील आसींद जिला भीलवाड़ा राजस्थान के सरहद में आरा जी नंबर 2037 रकबा 0.16 हेक्टर भूमि जो उक्त जमीन चारभुजा नाथ मंदिर की डोली जो उदयनाथ चौराहे पर स्थित है राजस्व रिकॉर्ड चारभुजा के नाम से स्थित है उक्त भूमि पर हमारे गांव के कुछ सामाजिक तत्वों द्वारा नाजायज अतिक्रमण किया गया जिसकी सूचना हम ग्राम वासियों ने तहसीलदार को मौखिक रूप से दी थी जिसके बाद पटवारी पहलाद गुर्जर मौके पर पहुंचे एवं पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में रिपोर्ट प्रस्तुत कर 7 दिवस में उक्त अतिक्रमण हटाने का आश्वासन दिया था लेकिन 10 दिन बीत जाने पर भी उक्त भूमि से अतिक्रमण नहीं हटाए हैं जिसको लेकर आज ग्रामीणों ने एकत्रित होकर उपखंड कार्यालय पर ज्ञापन सोपा एवं ज्ञापन में बताएं कि 7 दिवस के अंदर अगर उक्त भूमि पर अतिक्रमण नहीं हटाया जाता है तो उग्र आंदोलन किया जाएगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी इस मौके पर ग्रामीण महावीर सिंह नरपत सिंह नरेंद्र सिंह भरत कुमार अरविंद कुमार कुलदीप ग्रामीण जन मौजूद रहे।

वहीं ग्रामीण प्रद्युमन सिंह ने बताया कि हमारे गांव के रघुनाथ बिहार के मंदिर की जमीन पर लगा बोर्ड को भी उखाड़ कर ले गई जिसकी सूचना हम ग्राम वासियों ने पुलिस चौकी दौलतगढ़ में दे रखी है परंतु अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

अतिरिक्त टंकी बनाने की मांग

मेड़ता सिटी, (निसं)। डांगावास ग्राम वासियों ने जलदाय मंत्री कन्हैया लाल चौधरी को गांव ने आबादी क्षेत्र को देखते हुए अतिरिक्त पानी की टंकी लगाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा ।डांगावासर गांव का आबादी क्षेत्र, गांव से सटी कॉलोनियों व दूर दूर तक ढाणियों में बसी आबादी को देखते हुए वर्तमान टंकी से सभी जगह समय पर पानी की आपूर्ति नहीं होने के कारण ग्रामीण क्षेत्र में पानी की भारी समस्या रहती हैं गांव के साथ साथ कुओं पर बनी ढाणियां व लगभग 10-15 कालोनियों में एक ही टंकी से सप्लाई होने के कारण पानी की हमेशा समस्या बनी रहती है इसी कारण ग्रामीणों ने आज पीएचडी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी को ज्ञापन देकर गांव में एक अतिरिक्त टंकी बनाकर पानी की समस्या को दूर करने की मांग की इस पर मंत्री ने गांव वालों को जल्दी से जल्दी टंकी बनाने का भरोसा दिलाया ।

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर
मूल आवंटी / अन्तरिति की मृत्यु पर उत्तराधिकारियों के पक्ष में संयुक्त नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की ट्रांसपोर्ट नगर योजना के आवासीय/व्यावसायिक भूखण्ड संख्या 109 क्षेत्रफल 400 वर्गगज के आवंटी / अन्तरिति श्री घनश्याम गोयल पुत्र स्व. श्री देवीलाल गोयल निवासी 608 कृष्ण विहार, बी.के. कॉल नगर अजमेर की मृत्यु दिनांक 07.03.2025 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र व सजरा रिपोर्ट / वसीयतनामा सलंग्न कर मृतक के वारिसों में क्रमशः (1) श्री मुकेश गोयल पुत्र स्व. श्री घनश्याम गोयल निवासी बी-217 राधा विहार, बी. के. कॉल नगर अजमेर (2) श्री राजेश गोयल पुत्र स्व. श्री घनश्याम गोयल निवासी बी-35, एम.बी. रोड बदरपुर जैतपुर, नई दिल्ली द्वारा नामान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त नामान्तरण किये जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावें । उक्त नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी व आवेदक के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी।

योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर
मूल आवंटी / अन्तरिति द्वारा निष्पादित वसीयतनामें के आधार पर नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की कोटडा आवासीय योजना के आवासीय भूखण्ड संख्या 22 क्षेत्रफल 299 व.ग. के आवंटी श्रीमती पार्वती देवी पत्नी श्री जोगाराम निवासी बेरा-भागोडी, ग्राम कारोलिया तह. जैतारण की मृत्यु दिनांक 2.3.22 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र तथा वसीयतनामा (पंजीकृत दिनांक 14/12/17) संलग्न कर मृतक द्वारा निष्पादित वसीयतनामें के आधार पर नामान्तरण हेतु श्री अभिनव सीरवी व नमन सिरवी पुत्र हजारी राम निवासी मकान नं.-15, द्वारिका , कुन्दन नगर, अजमेर द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त नामान्तरण किए जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावें। उक्त नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी व आवेदक के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी।

योजना प्रभारी
अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर
मूल आवंटी / अन्तरिति द्वारा निष्पादित वसीयतनामें के आधार पर नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की ट्रांसपोर्ट नगर योजना के व्यवसायिक भूखण्ड संख्या 209 क्षेत्रफल 200 व.ग. के आवंटी श्री हरचरण सिंह पुत्र स्व. करतार चंद जी निवासी 2/32, करतार कॉटेज, अलवर गेट, अजमेर की मृत्यु दिनांक 21.11.24 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र तथा वसीयतनामा (पंजीकृत दिनांक 14/2/24) संलग्न कर मृतक द्वारा निष्पादित वसीयतनामें के आधार पर नामान्तरण हेतु श्री जसवंत सिंह व कुलवंत सिंह पुत्र हरचरण सिंह निवासी 2/32, करतार कॉटेज, अलवर गेट, अजमेर द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त नामान्तरण किए जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो सूचनाप्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावें। उक्त नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी व आवेदक के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी।

योजना प्रभारी
अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर

कार्यालय नगर परिषद किशनगढ (अजमेर) राज.

क्रमांकः न.प.कि./नाम हस्तान्तरण/2025/959 **आम सूचना** दिनांकः 04/3/2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्व ग्राम मदनगंज के खसरा संख्या 602 पर स्थित आवासीय (भूखण्ड संख्या 151 क्षेत्रफल 88.88 वर्गगज) पर श्री कुलदेव पुत्र श्री गोगाराम ने आवेदन प्रस्तुत कर नाम हस्तान्तरण चाहा गया है। उक्त भूखण्ड की सीमाएं निम्नानुसार है -

पूर्व में : भूखण्ड संख्या 160 पर निर्मित विला पश्चिम में : 40 फीट चौडा रास्ता
उत्तर में : भूखण्ड संख्या 150 पर निर्मित विला दक्षिण में : भूखण्ड संख्या 152 पर निर्मित विला

अतः उक्त नाम हस्तान्तरण प्रकरण में किसी भी व्यक्ति / संस्था को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 07 दिवस में इस कार्यालय में प्रस्तुत करे अन्यथा वाद मयाद किसी भी प्रकार की आपत्ति स्वीकार नहीं होगी ।

प्रभारी नगर परिषद, किशनगढ़

जीत हमेशा जरूरी नहीं होती, लेकिन जुनून और जज्बा मायने रखता है। हमारी टीम ने पूरी ताकत से खेला, और मैं उन पर गर्व करता हूँ। केकेआर फैंस, आपका साथ हमें और मजबूत बनाता है!" - शाहरूख खान

केकेआर के मालिक, अपनी टीम के प्रदर्शन के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

यशस्वी जायसवाल

आईपीएल 2025 के छठे मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स ने राजस्थान रॉयल्स को 8 विकेट से हरा दिया। भले ही राजस्थान को इस मैच में हार का सामना करना पडा लेकिन यशस्वी जायसवाल ने टी-20 क्रिकेट में एक बड़ा धमाका कर दिया। जायसवाल ने केकेआऱ के खिलाफ मैच में 24 गेंद पर 29 रन की पारी खेली. इस पारी के दौरान उन्होंने अपने टी-20 करियर में 3000 रन पूरे कर लिए। ऐसा कर उन्होंने एक खास रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। जायसवाल टी-20 क्रिकेट में भारत की ओर से सबसे तेज 3000 रन बनाने वाले चौथे बल्लेबाज बन गए हैं।

क्या आप जानते हैं ?... टी-20 में सबसे तेज 3000 रन बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड शॉन मार्श के नाम है। शॉन मार्श ने 85 पारी में ही 3000 रन पूरा कर लिए थे।

लखनऊ सुपर जायंट्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को 5 विकेट से हराया

हैदराबाद, 27 मार्च। शार्दुल ठाकुर (चार विकेट) की घातक गेंदबाजी के बाद निकोलस पूरन (70) और मिचेल मार्श (52) की अर्धशतकीय विस्फोटक पारियों की बदौलत लखनऊ सुपर जायंट्स ने गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के सातवें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद को 23 गेंदे शेष रहते पांच विकेट से हरा दिया ।

सनराइजर्स हैदरबााद के 190 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने दूसरे ही ओवर में सलामी बल्लेबाज एडन मारक्रम (एक) का विकेट गवां दिया। उन्हें मोहम्मद शमी ने आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये निकोलस पूरन ने मिचेल मार्श के साथ ना केवल पारी को संभाला दोनों बल्लेबाजों ने तेजी के साथ विस्फोटक बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए रन भी बटोरे। दोनों

बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 116 रनों की साझेदारी हुई। यह आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से दूसरे विकेट के लिए दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। नौवें ओवर में पैट कमिंस ने निकोलस पूरन को पगबाधा आउट कर पवेलियन भेज दिया। निकोलस पूरन ने 26 गेंदों में छह चौके और छह छक्के लगाते हुए (70) रनों की विस्फोटक पारी खेली। 11वें ओवर में कमिंस ने मिचेल मार्श को भी अपना शिकार बना लिया। मिचेल मार्श ने 31 गेंदों में सात चौके और दो छक्के लगाते हुए (52) रन बनाये। चौथे विकेट के रूप में आयुष बदोनी (छह) रन आउट हुये। कप्तान ऋषभ पंत (15) रन बनाकर आउट हुये। उन्हें हर्षल पटेल ने आउट किया। लखनऊ सुपर जायंट्स ने 16.1 ओवर में 193 रन बनाकर मुकाबला पांच विकेट से जीत लिया। अब्दुल समद ने आठ गेंदों में तीन चौके और दो छक्के लगाते हुए (नाबाद 22) रन बनाये। डेविड मिलर (नौ) रन बनाकर नाबाद रहे।

सनराइजर्स हैदराबाद के लिए पैट कमिंस ने दो, मोहम्मद शमी, हर्षल पटेल और एडम जम्पा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। बल्लेबाजी करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने मात्र 15 रन पर अपने दो विकेट गवां दिये। अभिषेक शर्मा (छह), इशान किशन (शून्य) को शार्दुल ठाकुर ने आउट कर शुरुआत में ही हैदराबाद को जोरदार झटका दिया। इसके बाद नीतीश कुमार रेड्डी ने ट्रैविस हेड के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 61 रनों की साझेदारी हुई।

लक्ष्य का पीछा करते समय बल्लेबाजी करना फायदेमंद रहा : डिकॉक

नई दिल्ली, 27 मार्च। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग मैच में नाबाद 97 रन की पारी खेल कर कोलकाता नाइट राइडर्स को जीत दिलाने वाले सलामी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने कहा कि उनके लिए मैच की दूसरी पारी में बल्लेबाजी करना फायदेमंद रहा। डिकॉक ने 61 गेंदों पर आठ चौकों और छह छक्कों की मदद से नाबाद 97 रन बनाकर केकेआर को 17.3 ओवर में जीत के लिए मिले 152 रन के लक्ष्य के पार पहुंचा दिया। प्लेयर ऑफ द मैच डिकॉक ने पुरस्कार समारोह में कहा, " यह मेरा दूसरा मैच है, हमारे लिए यह अच्छा रहा कि हमने बाद में बल्लेबाजी की। एक विकेटकीपर के रूप में मुझे विकेट परखने का मौका मिला और मैं बल्लेबाजी करते समय उसके अनुसार सामंजस्य बैठा सका। "उन्होंने कहा, " मैं जानता हूं कि आईपीएल बड़े स्कोर के लिए जाना जाता है, लेकिन मैंने सिर्फ हमारे लिए मैच जीतने की कोशिश की।" दक्षिण अफ्रीका के इस पूर्व कप्तान ने कहा, "यह बड़े स्कोर के लिए उपयुक्त विकेट नहीं था, गेंद टर्न ले रही थी और रुक कर आ रही थी। यह सपाट विकेट नहीं था, यहां रन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा था।"केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने डिकॉक के साथ जीत का श्रेय टीम के स्पिनरों को दिया। उन्होंने कहा, " हमने बीच के ओवरों में दो स्पिनरों को गेंदबाजी कराई। सुनील नारायण की जगह मोईन अली खेले और उन्होंने अच्छा किया।

श्याम लाल कॉलेज की वार्षिक खेल मीट का आयोजन आज

नई दिल्ली, 27 मार्च। दिल्ली विश्वविद्यालय के श्याम लाल कॉलेज मैदान में शुक्रवार को छात्र और छात्राओं के वर्ग की 'वार्षिक खेल मीट 2024-25' का आयोजन किया जायेगा। कॉलेज के खेल समिति के संयोजक वीरेंद्र सिंह जग्गी के अनुसार, वार्षिक खेल मीट 2024-25 के छात्रों के साथ-साथ शिक्षक और कॉलेज के गैर-शिक्षण स्टाफ भी भाग लेंगे। श्याम लाल कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो. रबी नारायण कर 'वार्षिक खेल मीट 2024-25' के मुख्य अतिथि होंगे। लड़कियों के वर्ग में छात्रों के लिए 50 मीटर, 100 मीटर, 200 मीटर और 400 मीटर में दौड़ आयोजित की जाएगी। लड़कों में वर्ग में 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर और 1500 मीटर में दौड़ होगी। इसके अलावा शिक्षण और गैर -शिक्षण स्टाफ के लिए कार्यक्रमों को 45 वर्ष से कम और 45 वर्ष से अधिक के दो आयु समूहों में आयोजित किया जाएगा। लेमन रेस और म्यूजिकल चेयर स्पर्धा भी होगी।

चोटिल लैथम पाक के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से हुए बाहर

वेलिंग्टन, 27 मार्च। पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय सीरीज से पहले न्यूजीलैंड को बड़ा झटका लगा है टीम के कप्तान टॉम लैथम चोटिल होने के कारण सीरीज से बाहर हो गये है। लैथम को इस सप्ताह दाहिने हाथ में चोट लगी थी। प्रशिक्षण के दौरान लैथम के हाथ में फ्रैक्चर हुआ था। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बताया कि एक्स-रे रिपोर्ट में गंभीर चोट की पुष्टि हुई है। लैथम की गैरमौजूदगी में माइकल ब्रेसवेल टीम की कमान संभालेंगे जबकि हेनरी निकोल्स को टीम में शामिल किया गया है। न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने कहा, सीरीज की पूर्व संध्या पर कप्तान टॉम लेथम का चोटिल होना निश्चित रूप से निराशाजनक है और हम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। टी-20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने वाले माइकल के साथ टीम सुरक्षित हाथों में है।

रियान पराग के लिए फैन की दीवानगी, जेल जाने तक को तैयार

गुवाहाटी, 27 मार्च। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के छठे मैच में बुधवार को राजस्थान रॉयल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच मुकाबला खेला गया। जिसे केकेआर ने 8 विकेट से जीत लिया। वहीं रॉयल्स ने लगातार अपना दूसरा मैच गंवाया है। वहीं गुवाहाटी के बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले के दौरान एक फैन मैदान तक पहुंच गया और रियान पराग के पैर छूने लगा। बुधवार को रॉयल्स और केकेआर के बीच मुकाबले के दौरान भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला। जहां एक फैन मैदान में घुस गया। ये फैन रियान पराग का था, 12वें ओवर के दौरान ये घटना हुई। सबसे पहले तो फैन ने रियान के पैर छुए और बाद में रियान ने फैन कोगले लगाया।

आईपीएल के बाद ब्रेक लेंगे कप्तान रोहित शर्मा

इंग्लैंड दौरे पर नहीं होंगे टीम का हिस्सा

नई दिल्ली, 27 मार्च। भारतीय क्रिकेटर्स मौजूदा समय में आईपीएल में जलवा बिखेर रहे हैं। चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद सभी खिलाड़ी अपनी-अपनी फ्रेंचाइजी से जुड़ गए थे। आईपीएल का ये त्यौहार दो महीने से भी ज्यादा लंबे समय तक चलेगा। इसके बाद टीम इंग्लैंड के दौरे पर जाएगी। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि इस दौरे पर रोहित शर्मा नजर नहीं आएंगे।भारत को जून में इंग्लैंड के दौरे पर जाना है। इस दौरे पर वह पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगा। स्पोर्ट्स टुडे की खबर के मुताबिक रोहित शर्मा इस दौरे पर नहीं जाएंगे। खबर के मुताबिक रोहित शर्मा ने नाम वापस लेने का फैसला किया है। हालांकि, विराट कोहली टीम का हिस्सा होंगे और दौरे पर जाएंगे।

इस दौरे से पहले टीम ने पिछली टेस्ट ऑस्ट्रेलिया में खेली थी। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में कोहली और रोहित शर्मा दोनों ही कुछ खास नहीं कर सके थे। रोहित शर्मा ने सीरीज के तीन मैचों में केवल 31 रन बनाए थे। इसके बाद उन्होंने आखिरी मैच से खुद को बाहर करने का फैसला किया था जिसके बाद जसप्रीत बुमराह ने टीम की कप्तानी की थी। रोहित के खुद बाहर हो जाने को संन्यास से जोड़कर देखा जा रहा था।

रोहित शर्मा ने साफ कर दिया था कि उनका खुद को बाहर करने का फैसला संन्यास का फैसला नहीं है। उन्होंने कहा था कि, ये संन्यास का फैसला नहीं है। मैं इस खेल से दूर नहीं जा रहा हूं। लेकिन मैंने इस खेल से दूर जाने का फैसला इसलिए लिया क्योंकि मैं बल्ले से रन नहीं बना पा रहा था।

मियामी ओपन के सेमीफाइनल में एलेक्जेंडा एला भिड़ेंगी जेसिका पेगुला से

फ्लोरिडा, 27 मार्च। मियामी ओपन में महिला एकल के सेमीफाइनल में फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा एला और अमेरिका की जेसिका पेगुला के बीच शुक्रवार को मुकाबला होगा। अमेरिका की चौथी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने गुरुवार को हार्ड रॉक स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में ब्रिटेन की एम्मा राडुकानू को हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। पेगुला ने राडुकानू पर 6-4, 6-7(3), 6-2 से जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में जगह बना ली हैं। इसी के साथ अमेरिकी खिलाड़ी ने पिछले चार वर्षों में तीसरी बार इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। जहां उनका कल फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा एला से मुकाबला होगा। एक दिन पहले बुधवार को फिलीपींस की टेनिस खिलाड़ी एला ने मियामी ओपन में एक और उलटफेर करते हुए महिला एकल के क्वार्टरफाइनल में पांच बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन और दूसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियाटेक को हराकर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली हैं। पांच बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्वियाटेक को एला ने सीधे सटों में 6-2, 7-5 से हराया।

बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में हो सकते हैं बड़े बदलाव

सीनियर खिलाड़ियों को होगा बड़ा नुकसान

नई दिल्ली, 27 मार्च। बीसीसीआई ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान हो चुका है। जबकि पुरुष टीम के लिए अभी ऐलान होना बाकी है। लेकिन उससे पहले पुरुष क्रिकेट टीम के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट को लेकर कई दावे किए जा रहे हैं। माना जा रहा है कि बीसीसीआई जल्द ही सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान कर सकती है। इसमें किसे प्रमोशन मिलेगा, किसे डिमोशन, किसकी छुट्टी होगी और किन नए चेहरों को एंट्री मिलेगी, इसे लेकर तमाम मीडिया रिपोर्ट्स में अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं। वैसे औपचारिक ऐलान होने तक इनकी अहमियत अटकलों से ज्यादा कुछ नहीं है। वैसे एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार तो सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। जिसमें कहा जा रहा है कि, विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविंद्र जडेजा जैसे खिलाड़ियों के टी20 फॉर्मेस से संन्यास लेने के बाद इन्हें कॉन्ट्रैक्ट में नुकसान हो सकता हैटीम इंडिया के कोच गौतम गंभीर के भारी भरकम सपोर्ट स्टाफ पर भी कैंची चल सकती है। उसी की एक अन्य रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा को ग्रेड से डिमोट करके ए ग्रेड में डाला जा सकता है। ए ग्रेड सबसे टॉप ग्रेड है। इसमें आमतौर पर उन खिलाड़ियों को रखा जाता है जो लगातार टीम इंडिया के लिए तीनों फॉर्मेट में अच्छा परफॉर्म कर रहे हैं। चूंकि, रोहित, कोहली और जडेजा तीनों ही टी20 से संन्यास ले चुके हैं, लिहाजा उन्हें ए ग्रेड में डाला जा सकता है। शुभमन गिल को ए ग्रेड से प्रमोट करके ए ग्रेड में डाला जा सकता है।एक अन्य मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अक्षर पटेल को ग्रेड बी से प्रमोट करके ग्रेड ए में शामिल किया जा सकता है। वहीं, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके रविचंद्रन अश्विन को कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट से छुट्टी हो सकती है।कुछ नए चेहरों की सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में एंट्री हो सकती है। नीतीश रेड्डी, हर्षित राणा और अभिषेक शर्मा को पहली बार सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में शामिल किया जा सकता है। इन्हें सी कैटेगरी में रखा जा सकता है। पिछली बार घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने की वजह से श्रेयस अय्यर और ईशान किशन की सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से छुट्टी कर दी गई थी लेकिन इस बार अय्यर को एंट्री मिल सकती है।

चेन्नई सुपर किंग्स के घर में जीत के लिए तरसती है आरसीबी

चिदंबरम, 27 मार्च। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 का 8वां मुकाबला चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच ये मुकाबला 28 मार्च को एम चिदंबरम क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। आईपीएल 2025 में सीएसके और आरसीबी की टीम ने अपने-अपने पहले मैच में जीत के साथ शुरुआत की है। ऐसे में चेपॉक में दोनों बीच के बीच एक जोरदार घमासान देखने को मिलेगा।चेन्नई सुपर किंग्स इंडियन प्रीमियर लीग की सबसे सफल टीम में से एक है। सीएसके ने आईपीएल में पांच बार खिताबी जीत हासिल की है। वहीं आरसीबी की झोली अभी तक खाली रही है। आईपीएल में जब भी इन दोनों टीमों के बीच भिड़ंत होती है तो मुकाबला देखने लायक होता है, लेकिन सीएसके के घर में आरसीबी की हालत हमेशा खराब रही है। सीएसके ने अपने घर में हमेशा आरसीबी पर अपना दबदबा बना कर रखा है।आईपीएल में सीएसके और आरसीबी के बीच अब तक कुल 33 मुकाबले खेले जा चुके हैं। इन मैचों में सीएसके की टीम ने 21 बार जीत हासिल की है। वहीं आरसीबी की बात करें तो वह सिर्फ 11 बार सीएसके को हरा पाई है। इस रिकॉर्ड से साफ है कि सीएसके के खिलाफ आरसीबी की टीम हमेशा से कमजोर रही है। वहीं सीएसके के घर में आरसीबी के रिकॉर्ड की बात की जाए तो वह और भी ज्यादा खराब है।

जोशना, अनाहत स्क्वैश इंडियन ओपन 2025 के सेमीफाइनल में

मुंबई, 27 मार्च। भारतीय दिग्गज खिलाड़ी जोशना चिनप्पा और अनाहत सिंह ने अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए स्क्वैश इंडियन ओपन 2025 के सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है। बॉम्बे जिमखाना के आउटडोर ग्लास कोर्ट पर जोशना चिनप्पा ने शीर्ष वरीयता प्राप्त आकांक्षा सालुंखे के खिलाफ पांच मैचों के कड़े मुकाबले में अपने अनुभव का जबरदस्त प्रदर्शन किया। पूर्व एशियाई चैंपियन जोशना ने 56 मिनट तक चले मुकाबले में सालुंखे को 3-2 (12-10, 13-11, 9-11, 9-11, 11-5) से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। वहीं दूसरी ओर, 17 वर्षीय अनाहत सिंह ने मिस्र के नादियन एल्हममी के खिलाफ संयम का परिचय देते हुए 1-2 से पिछड़ने के बाद वापसी की और कड़े मुकाबले में 3-2 (11-6, 12-14, 8-11, 11-6, 11-9) से जीत हासिल की। इस बीच, पुरुषों के ड्रॉ में भारत के अभय सिंह ने मलेशिया के अमीशनराज चंद्रन को सीधे सेटों में (11-5, 11-8, 11-7) में हराकर अंतिम चार में अपनी जगह पक्की कर ली। वीर चोटरानी हालांकि, मिस्र के करीम एल टॉर्क से 0-3 (4-11, 8-11, 5-11) से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

3 दिग्गजों की विश्वस्तरीय कोचिंग भी नहीं दिला पा रही राजस्थान रॉयल्स को जीत

जयपुर, 27 मार्च। सब कुछ करके भी हम कुछ नही कर पाए, यही बदकिस्मती रही हमारी। किसी ने सोचा भी न था कि राजस्थान रॉयल्स का हाल आईपीएल के 18वें सीजन में ऐसा होगा। राजस्थान रॉयल्स टीम के कोच राहुल द्रविड, जो खुद भारतीय टीम के बल्लेबाज़ी की दीवार माने जाते थे। बल्लेबाज कोच विक्रम राठौड़ ओर स्पिन गेंदबाजी के कोच साईराज बहुतुले की तिकड़ी का बल्लेबाज़ी ओर

गेंदबाजी की गहरी समझ के साथ-साथ व्यापक कोचिंग भी राजस्थान रॉयल्स के बेदम ओर गेंदबाजी में दम भरने में

नाकामयाब नज़र आ रही है। राजस्थान रॉयल्स 2008 के पहले संस्करण की चैंपियन थी और आईपीएल में हिस्सा लेने वाली 10 टीमों में से एक है। युवा ऑलराउंडर 23 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ, 26 मार्च को गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ आईपीएल के दोंनो मैचों में लगातार राजस्थान रॉयल्स टीम ने दोनों टीमों के सामने घुटने टेक दिये और टीम के न ही बल्लेबाज़ों में अपने बल्ले से रन बनाने का जुनून दिखा, न ही गेंदबाजों की गेंदबाजी में स्विंग की लय दिखाई दी।

राजधानी

डॉ. प्रेमचंद बैरवा को धमकी देने वाले सहित छह लोग गिरफ्तार

तीन लाख रु.का कर्ज और दूसरी जेल में शिफ्ट होने के लिए दी थी धमकी

जयपुर। लाल कोठी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उप मुख्यमंत्री डॉ.प्रेमचंद बैरवा को मारने की धमकी देने वाले सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया है। सहायक पुलिस आयुक्त गांधीनगर जयपुर पूर्व नारायण बाजिया के नेतृत्व में 100 से अधिक पुलिसकर्मियों की टीम ने देर रात तक जयपुर जेल में सर्च अभियान चलाया था।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) तेजस्विनी गौतम ने बताया कि लाल कोठी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उप मुख्यमंत्री डॉ.प्रेमचंद बैरवा को मारने की धमकी देने वाला शाहनील निवासी शास्त्री नगर जयपुर, वसीम खान निवासी झोटवाड़ा जयपुर,मनीष परिहार निवासी जोधपुर, विकमसिह बडोद जिला सवाई माधोपुर को सेंट्रल जेल से प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है और वहीं सिम धारक जुनैद निवासी झोटवाड़ा जयपुर सहित जेल में सिम पहुंचाने वाले अशरफ निवासी झोटवाड़ा जयपुर को भी पकड़ा है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) ने बताया कि पुलिस थाना लाल कोठी जयपुर के इलाके में केंद्रीय कारागार जयपुर से गुरुवार को पुलिस कंट्रोल रूम

लाल कोठी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उप मुख्यमंत्री डॉ.प्रेमचंद बैरवा को मारने की धमकी देने वाले सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया है।

जयपुर के 100 नंबर पर कॉल आया कि उप मुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा को मरवा देंगे और वह अनिल बोल रहा है।। इस पर वारदात को गंभीरता से लेते हुए एक पुलिस टीम गठित की गयी। टीम ने जिस नंबर से पीसीआर में काल आया उसका सीडीआर विश्लेषण कर सीएसटी व जयपुर के अलग अलग क्षेत्रों में 15 जगह दबिश दी गई। जिसमें आरोपित जनैद व अशरफ को भी दस्तयाब किया गया। जिस मोबाइली से फोन किया गया था वह सिम भी जुनैद के नाम से ही थी। जुनैद ने उक्त सिम आरोपी शाहनील तक किस माध्यम से पहुंचाई। जिसके संबंध में जांच पड़ताल जारी है।

जानकारी में सामने आया कि आरोपित शाहनील ने जेल में ही किराये पर फोन देने का व्यवसाय चला रखा है। वार्ड नम्बर 9 में वह बंदियों से प्रत्येक मिनट के 100 रुपये वसूलता है। शाहनील और किन किन बंदियों को मोबाइल बात करने के लिए देता था उस संबंध में पूछताछ जारी है। जिन्होनें उक्त बरामद मोबाईल का उपयोग किया उन कैदियों में से एक बंदी विक्रम सिंह है। जो शाहनील से उक्त मोबाइल लेकर कंट्रोल रूम 100 नंबर पर काल करके उप मुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा को मारने की धमकी दी। विकम सिंह के उक्त जेल में तीन लाख रुपये का कर्जा होने के कारण वह दूसरी जेल में शिफ्ट होना चाहता था। इसलिए उसने धमकी देना पूछताछ से सामने आया है। आरोपियों से पूछताछ जारी है। इस मामले में जेल प्रशासन व अन्य जिन जिन लोगों की संलिप्तता है, उस संबंध में अनुसंधान जारी है।

वरिष्ठ अधिवक्ता नामित नहीं करने पर मांगा जवाब

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने तीन साल से वरिष्ठ अधिवक्ता नामित नहीं करने पर हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल से जवाब तलब किया है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस प्रमिल कुमार माथुर की खंडपीठ ने यह आदेश अधिवक्ता पूनमचंद भंडारी की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि राजस्थान हाई कोर्ट ने 24 जनवरी, 2022 के बाद अब तक वरिष्ठ अधिवक्ता नामित नहीं किए हैं। जबकि हाईकोर्ट के खुद के दिशा-निर्देशों के अनुसार हर दो साल में वरिष्ठ अधिवक्ताओं को नामित किया जाना चाहिए। मामले में सुप्रीम कोर्ट ने भी नियम बनाकर वरिष्ठ अधिवक्ता नामित करने की गाइड लाइन जारी कर रखी है। इसके बावजूद हाईकोर्ट प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट की गाइड लाइन के आधार पर स्वयं के नियम नहीं बनाए हैं। जिसके चलते हाईकोर्ट के कई वरिष्ठ अधिवक्ता अब तक वरिष्ठ अधिवक्ता के तौर पर नामित नहीं हो पाए हैं। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने हाईकोर्ट प्रशासन से जवाब तलब किया है।

वकील 1052 दिन से दे रहे धरना- जनवरी, 2022 में वरिष्ठ अधिवक्ता नामित करने में धांधली का आरोप लगाते हुए याचिकाकर्ता सहित अधिवक्ता विमल चौधरी और अधिवक्ता टीएन शर्मा के साथ ही अन्य वकील बीते 1052 दिनों से हाईकोर्ट में धरना दे रहे हैं।

नए वाहनों से कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने में मिलेगी मजबूती : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को राजस्थान दिवस कार्यक्रम श्रृंखला के तहत जवाहर सर्किल पर आयोजित कार्यक्रम में 150 नए पुलिस वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक यू. आर. साहू, अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद कुमार सहित पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं पुलिस कार्मिक मौजूद रहे।

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को राजस्थान दिवस कार्यक्रम श्रृंखला के तहत जवाहर सर्किल पर आयोजित कार्यक्रम 'सुरक्षा एवं सुगमता का संकल्प समारोह' से 150 नए पुलिस वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। राज्य सरकार प्रदेश में कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने की दिशा में निरंतर काम कर रही है। इसके लिए पुलिस बल को तमाम आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसी क्रम में पुलिस बल में शामिल हुए इन नए वाहनों से राज्य में आमजन के लिए सुरक्षा तंत्र को मजबूती मिलेगी।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने पुलिसकर्मियों से मिलकर उनका हौसला अफजाई किया। उन्होंने प्रत्येक पुलिसकर्मी से व्यक्तिशः मुलाकात कर कुशलक्षेम पूछी। इस दौरान शर्मा ने पुलिस बेण्ड सहित सभी पुलिस बल के साथ सामूहिक फोटो भी खिंचवाई। पुलिस कार्मिकों का मुख्यमंत्री द्वारा हौसला अफजाई करने पर मनोबल बढ़ा तथा वे बेहद उत्साहित नजर आए।

इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक यू. आर. साहू, अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद कुमार, महानिदेशक साइबर क्राइम हेमंत प्रियदर्शी, महानिदेशक इन्टेलिजेंस संजय अग्रवाल, महानिदेशक टी.एन.टी. अनिल पालीवाल सहित पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण एवं पुलिस कार्मिक मौजूद रहे।

अंतिम पायदान पर खड़ा व्यक्ति हो रहा सशक्त : भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री ने कहा, पूर्ववर्ती सरकार ने युवाओं के साथ विश्वासघात किया

- भरतपुर में, आयोजित अन्त्योदय कल्याण समारोह में 92 हजार से अधिक निर्माण श्रमिकों को 100 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित की गई।
- स्वामित्व योजना में 20 हजार पट्टे एवं माटी कलाकारों को विद्युत चालित चाक वितरित किए गए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरूवार को भरतपुर गए, वहां उन्होंने अन्त्योदय कल्याण समारोह को संबोधित किया। भरतपुर प्रवास के दौरान एम.एस.जे. महाविद्यालय, जहां के वे पूर्व छात्र हैं, में उनका भव्य स्वागत किया।

भरतपुर, 27 मार्च (निसं)। गुरूवार को भरतपुर में राजस्थान दिवस कार्यक्रम के तहत आयोजित अन्त्योदय कल्याण समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि संभावनाओं और सामर्थ्य से भरा राजस्थान विकास की नई ऊंचाइयां छू रहा है तथा इस प्रगति का लाभ प्रदेश में गरीब व्यक्ति को मिल रहा है। अब अंतिम पायदान पर खड़ा व्यक्ति सशक्त होने के साथ ही मुख्यधारा में आ रहा है।

उन्होंने कहा, राजस्थान दिवस उत्सव की श्रृंखला में आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से अन्त्योदय का विचार ब्रज की भूमि से देश-प्रदेश तक पहुंचेगा।

कांग्रेस तथा पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर तीखा हमला बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस की सरकार ट्वीट करने में व्यस्त थी, जबकि हम जमीन पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गहलोत सरकार के कार्यकाल में पेपर लीक घोटाले चरम पर थे, लेकिन उस वक्त मुख्यमंत्री के ओहदे पर बैठे गहलोत होटलों में बैठकर सत्ता बचाने की राजनीति कर रहे थे। उन्होंने पेपर लीक को लेकर कहा कि कांग्रेस सरकार में पेपर लीक हुए, हमारे कार्यकाल में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ है।

मुख्यमंत्री ने डीबीटी के माध्यम से 92 हजार से अधिक निर्माण श्रमिकों को 100 करोड रुपये की राशि का हस्तांतरण किया। साथ ही, मुख्यमंत्री ने डांग, मगरा एवं मेवात क्षेत्रीय विकास योजनाओं के लिए 300 करोड रुपये (प्रति योजना 100 करोड रूपए) की राशि आवंटित की। कार्यक्रम में प्रदेशभर में स्वामित्व कार्ड योजना के तहत 20 हजार पट्टों का वितरण, 311 लोगों को डेयरी बूथ अलॉटमेंट, माटी कलाकारों को विद्युत चालित चाक का वितरण भी किया गया। मुख्यमंत्री ने दिव्यांगजनों को पावर ड्रिवन व्हील चेयर एवं असिस्टिव डिवाइस वितरित की। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से वर्चुअली माध्यम से जुड़े विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद भी किया।

मुख्यमंत्री ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना, गुरू गोलवलकर आशान्वित ब्लॉक विकास योजना, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में 150 यूनिट मुफ्त बिजली योजना की मार्गदर्शिकाओं एवं दिव्यांगजनों के लिए 'समान अवसर नीति 2025' का विमोचन भी किया। साथ ही, दादूदयाल घुमन्तू सशक्तीकरण योजना', मा नेत्र वाउचर योजना, मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के न्यू पैकेज देने व विधायक जनसुनवाई केन्द्र स्थापित किए जाने के संबंध में भी दिशा-निर्देश जारी किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने ग्रामीण विकास के ई-वर्क पोर्टल 2.0 एवं मोबाइल ऐप का भी शुभारंभ किया।

पद्मेश मिश्रा की ए.ए.जी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वादनीति एक अत्यन्त ही महत्वपूर्ण दस्तावेज होता है, जिसके माध्यम से प्रदेश के महाधिवक्ता और अतिरिक्त महाधिवक्ता नियुक्त किए जाते हैं, इसलिए इसमें किए गए संशोधनों को बड़ी ही बारीकी से देखा जाना चाहिए और किसी भी व्यक्ति विशेष को लाभान्वित कराने के लिए संशोधन नहीं किए जाने चाहिए। याचिकाकर्ता का कहना है कि महाधिवक्ता और अतिरिक्त महाधिवक्ता बहुत ही महत्वपूर्ण पद है, जो राज्य सरकार की ओर से अदालतों में पैरवी करते हैं। इसलिए इनकी नियुक्ति बहुत ही नीतिगत तरीके से की जानी चाहिए। अपनी अपील में उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार ने पद्मेश मिश्रा को नियुक्त करते वक्त उनकी योग्यता, तथा महाधिवक्ता और अन्य महाधिवक्ताओं के बीच कार्यसाधकता के विषय पर कोई विचार-विमर्श नहीं किया और सीधे ही उनकी नियुक्ति कर दी। याचिकाकर्ता का कहना है कि इस तरह की नियुक्ति के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट ने कई निर्णय दिए हैं।

मोदी का भारत यात्रा का निमंत्रण स्वीकार किया पुतिन ने

नई दिल्ली, 27 मार्च। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भारत आने के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया है। उनकी भारत यात्रा की तैयारियां चल रही हैं। इस बात की जानकारी रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने गुरुवार को दी। हालांकि किसी भी पक्ष ने अभी यह नहीं बताया है कि पुतिन का भारत दौरा कब होगा।

लावरोव ने रूसी अंतरराष्ट्रीय मामलों की परिषद की ओर से "रूस और भारत: एक नए द्विपक्षीय एजेंडा की ओर," विषय पर आयोजित सम्मेलन को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारतीय

- रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा, भारत के प्र.मंत्री मोदी ने तीसरे कार्यकाल में पहली विदेश यात्रा के लिए रूस को चुना। अब हमारी बारी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल के पहले विदेश दौरे के लिए रूस को चुना था,अब हमारी बारी है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने 06 दिसंबर 2021 में भारत की यात्रा की थी। वे सिर्फ 4 घंटे के लिए भारत आए थे। इस दौरान भारत और रूस के बीच 28 समझौतों पर दस्तखत हुए थे। फरवरी 2022 में यूक्रेन वॉर शुरू होने के बाद पुतिन की यह पहली भारत यात्रा होगी। इस विजिट से दोनों देशों के बीच 2030 के लिए नए आर्थिक रोडमैप को आगे बढ़ ाने की उम्मीद है।

रीट पेपर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इससे पहले की सुनवाई में राज्य सरकार ने अदालत को कहा था कि पहले भी कई भर्तियों को एसओजी की जांच के बाद रद्द किया गया था। इसके अलावा याचिकाकर्ता अपने आप को राष्ट्रीय स्तर का संगठन बताता है, लेकिन अन्य राज्यों में रद्द हुई विभिन्न भर्तियों को लेकर संगठन ने सीबीआई जांच की मांग नहीं की है। एसओजी मामले में निष्पक्षता से जांच कर रही है। इसलिए जनहित याचिका को खारिज किया जाए। इसके बाद खंडपीठ ने पेपर लीक की जांच सीबीआई को सौंपने ने इनकार करते हुए याचिकाओं को निस्तारित कर दिया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के वकील तीसरे दिन भी हड़ताल पर

वकीलों ने सुप्रीम कोलीजियम के जस्टिस वर्मा के इलाहाबाद हाईकोर्ट में तबादले के खिलाफ भारी नारेबाजी

प्रयागराज, 27 मार्च। दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्थानांतरण करने संबंधी सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम के फैसले के खिलाफ बार एसोसिएशन की हड़ताल में गुरूवार को धरना प्रदर्शन करते हुए जस्टिस वर्मा गो बैक के नारे लगाए गये।

- दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस वर्मा घर में आग लगने पर कथित तौर नोटों के बंडल मिलने के कारण विवादों में आ गए हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट गेट नम्बर तीन पर हुई सभा में पदाधिकारियों संग अधिवक्ताओं ने दोहराया कि न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा का हाईकोर्ट में स्थानांतरण मान्य नहीं है। गुरूवार को अधिवक्ताओं की हड़ताल का लगातार तीसरा दिन है। अधिवक्ताओं ने कहा कि जब तक न्यायमूर्ति वर्मा के तबादले की सिफारिश कोलीजियम द्वारा वापस नहीं ली जाती है, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

अधिवक्ताओं के हड़ताल पर रहने से अदालतों में कामकाज नहीं हो पा रहा है। न्यायिक व्यवस्था पूरी तरह से प्रभावित है। प्रतिदिन करीब दस हजार मुकदमों की सुनवाई होती है, लेकिन हड़ताल के कारण तीन दिन में 30 हजार सुनवाई फंसी हैं। नए मुकदमों की लिस्टिंग पूरी तरह ठप है।

हजारों केसों में तारीख लग रही हैं। प्रदेश के तमाम जिलों से आने वाले वादकारी मुकदमों की सुनवाई नहीं होने के कारण परेशान हैं।

वरिष्ठ न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के मामले को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल तिवारी के नेतृत्व में अधिवक्ता दल बुधवार को कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल से मिला। बताया जा रहा है बातचीत बहुत ही सकारात्मक रही है। तिवारी ने गुरूवार को दिल्ली सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कपिल सिब्बल से भी मुलाकात की।

'ममता बनर्जी, बाँग्लादेश...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में सर्वाधिक मुखर विरोध किया था और अब सत्ता में आने के बाद, वे वामपंथियों की कार्य योजना का अनुसरण करते हुए विदेशियों को देश में ला रही हैं।

ममता बनर्जी वामपंथी मोर्चे की उस रणनीति को पूरी तरह उच्चतर स्तर पर ले गई है और उन्होंने इन्हें छिपाने के रास्ते अपनाये हैं। शाह ने कहा कि अधिकांश अवैध घुसपैठियों के पास राज्य सरकार के दफ्तरों द्वारा जारी किये गये आधार कार्ड राज्य के चौबीस परगना जिले में जारी हुये हैं।

शाह ने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों में बड़ी संख्या में पकड़े गये इन अवैध घुसपैठियों में से सभी के पास आधार कार्ड थे तथा वे बंगाल के गिने-चुने सीमावर्ती जिलों में जारी हुये हैं।

शाह ने कहा कि भारत आर्थिक ताकत के रूप में आगे बढ़ रहा है। ऐसी स्थिति में विदेशियों का कुछ मात्रा में प्रवेश तो अपेक्षित है, लेकिन अवैध विदेशियों का प्रवेश बहुत खतरनाक हो सकता है, क्योंकि वे जघन्य गतिविधियों में लिप्त होते हैं। बंगाल सरकार अपनी संकीर्ण नीतियों के कारण पूरे देश की सुरक्षा के साथ समझौता कर रही है, जो राष्ट्र-हित की दृष्टि से बहुत नुकसानदेह है।

शाह इस बात को लेकर आश्वस्त हैं कि तृणमूल कांग्रेस सरकार के सत्ता से बेदखल होने के बाद, ये सारे कृत्य रूक जायेंगे।

इस सरकार के संकीर्ण सोच और कृत्यों के चलते, इसके ज्यादा समय तक चलने के आसार दिखाई नहीं दे रहे हैं।

'श्रीलंका की जेलों में 97 भारतीय मछुआरे बंद हैं'

नयी दिल्ली, 27 मार्च। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरूवार को राज्यसभा को बताया कि अभी 97 भारतीय मछुआरे श्रीलंका की जेलों में बंद हैं। डा . जयशंकर ने सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों के जवाब में यह बात कही। उन्होंने कहा कि श्रीलंका सरकार ने पिछले दो तीन वर्षों में इस संबंध में कड़े कानून बनाये हैं। भारत सरकार मछुआरों की रिहाई के बारे में श्रीलंका सरकार के साथ राजनयिक स्तर पर समय समय पर बात करती रहती है। उन्होंने कहा कि गलती से श्रीलंका की समुद्री सीमा में चले जाने वाले मछुआरों की सहायता के लिए सरकार उनकी नौकाओं पर ट्रांसपोंडर लगाने का काम कर रही है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908